R.N.I.No.-UPHIN/2023/87530

पंचायत ग्राउन्ड जीरो से

कानपुर, नई दिल्ली, लखनऊ ,अलीगढ़,औरैया,इटावा,गोरखपुर,बस्ती,बनारस,मऊ,आजमगढ़, श्रावस्ती में प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 21 | कानपुर, शनिवार 28 फरवरी 2026 | (प्रातःकालीन हिन्दी दैनिक) | पृष्ठ–8 | मूल्य–5 रूपये

सीएम योगी ने दिए निर्देश, सभी कर्मचारियों का वेतन होली से पहले देना सुनिश्चित करें

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होली के पर्व से पहले ही सभी कर्मचारियों को वेतन का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि त्योहार के मद्देनजर किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग तय समयसीमा का कड़ाई से पालन करें।

मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही आउटसोर्सिंग, संविदाकर्मी, सफाईकर्मी समेत सभी श्रेणी के कर्मियों का भुगतान भी त्योहार से पहले सुनिश्चित करने को कहा है, ताकि किसी भी कर्मचारी को पर्व के दौरान आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े। इसी के साथ मुख्यमंत्री ने शनिवार 28 फरवरी को कार्यदिवस घोषित कर दिया है। वहीं, कर्मचारियों को 03 मार्च का अवकाश दिया जाएगा। होली पर्व के अवसर पर 2, 3 और 4 मार्च को अवकाश रहेगा।

मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि भुगतान और अवकाश संबंधी आदेशों के पालन में किसी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने ये भी स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान कर्मचारियों के हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगी।

चल–अचल संपत्ति का विवरण न देने वाले राज्यकर्मियों को 10 मार्च तक ब्योरा देने पर जनवरी का वेतन जारी किया जाएगा। लेकिन 31 जनवरी 2026 तक विवरण न देने वाले 47816 कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। मुख्य सचिव एसपी गोयल द्वारा जारी शासनादेश के मुताबिक, 24 नवंबर 2025 को जारी आदेश के तहत कर्मचारियों को 31 जनवरी 2026 तक चल–अचल संपत्ति का विवरण देना था। 6 जनवरी 2026 को स्पष्ट किया गया था कि जो कर्मचारी विवरण अपलोड नहीं करेंगे, उन्हें जनवरी का वेतन नहीं मिलेगा। 31 जनवरी तक 47,816 कर्मचारियों ने ब्योरा नहीं दिया। सरकार ने 26 फरवरी से 10 मार्च 2026 तक एक बार फिर अवसर दिया है, लेकिन इसे प्रतिबंधों के साथ जोड़ा गया है। संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान चयन वर्ष में पदोन्नति पर विचार नहीं किया जाएगा। देय होने पर भी इस वर्ष एसीपी का लाभ नहीं मिलेगा। विदेश यात्रा, प्रतिनियुक्ति आदि के लिए विजिलेंस क्लीयरेंस नहीं दी जाएगी।

प्रदेशभर के पेशनर्स 25 मार्च को मनाऐगा काला दिवस

संवाददाता

लखनऊ। पेंशनर्स के मध्य विभेद किये जाने विषयक भारत सरकार द्वारा पारित वैलिडेशन एक्ट के विरोध में प्रदेश के सभी शासकीय सेवक एवं पेंशनर्स 25.मार्च .2026 को काला दिवस मनायेंगे। संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय संयोजक एनपी त्रिपाठी एवं सह संयोजक (प्रचार) एवं उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था के महामंत्री ओंकार नाथ तिवारी के अनुसार उक्त निर्णय जवाहर भवन–इंदिरा भवन, कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न विभिन्न कर्मचारी एव पेंशनर संगठनों की संयुक्त बैठक मे लिया गया। आयोजित बैठक में जेपीडब्ल्यूसी के घटक संगठनों सहित श्रसतीश कुमार पाण्डेय के अतिरिक्त स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष शशि कुमार मिश्र, लेखा एवं लेखा परीक्षा परिषद के अध्यक्ष सुशील कुमार बच्चा, उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष रामराज दुबे, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अध्यक्ष महेन्द्र कुमार पाण्डेय, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष एन.डी. द्विवेदी व अपर महामंत्री डा. नरेश कुमार, उत्तर प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स महांसघ के अध्यक्ष एचएन मिश्रा आदि द्वारा भागीदारी की गयी। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 25 मार्च 22026 को प्रस्तावित काला दिवस मनाये जाने की प्रक्रिया का निर्धारण किये जाने हेतु शीघ्र ही शशि कुमार मिश्र द्वारा बैठक बुलाइ गई है।

एनसीईआरटी विवाद पर पीएम मोदी नाराज, कैबिनेट मीटिंग में जताई थी गहरी नाराजगी

एजेंसी

नई दिल्ली। कक्षा 8वीं की एनसीईआरटी सोशल साइंस की किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार विषय पर एक चैप्टर शामिल किए जाने के मामले ने बड़ा तूल पकड़ लिया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस विवाद पर अपनी गहरी नाराजगी जाहिर की थी। विवाद बढ़ता देख केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी गहरा दुख जताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायपालिका का अपमान करने का सरकार का कोई इरादा नहीं था। उन्होंने कहा, श्जो कुछ भी हुआ, उससे मैं बहुत दुखी हूं।सुप्रीम कोर्ट ने इस चौप्टर के प्रकाशन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। कोर्ट ने स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव और एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर

जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट में बिना शर्त माफी मांगी। उन्होंने बताया कि जिन लोगों ने इस विवादित चौप्टर का मसौदा तैयार किया है, उन्हें ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है, वे अब यूजीसी या किसी भी मंत्रालय के साथ काम नहीं करेंगे।सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि मीडिया के जरिए जो जवाब मिला है, उसमें माफी का एक शब्द भी नहीं है। जब सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि 32 किताबें बेची गई थीं जिन्हें वापस ले लिया गया है, तो चीफ जस्टिस ने इसे एक गहरी साजिश बताया। ीजेआई ने कहा, यह जानबूझकर उठाया गया कदम लगता है ताकि पूरी टीचिंग कम्युनिटी, छात्र और अभिभावकों के बीच यह संदेश जाए कि भारतीय न्यायपालिका भ्रष्ट है। एनसीईआरटी की नई किताब के इस चौप्टर में न्यायपालिका की चुनौतियों का जिक्र किया गया है। इसमें लिखा गया है कि न्यायिक प्रणाली के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार मौजूद है, जिससे गरीबों के लिए न्याय पाना और मुश्किल हो जाता है। अदालतों में केसों का भारी अंबार (बैकलॉग) और जजों की कमी एक बड़ी समस्या है। किताब के आंकड़ों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में 81,000, हाई कोर्ट में 62.40 लाख और जिला अदालतों में करीब 4.70 करोड़ केस लंबित हैं।

होली एवं ग्रीष्मकाल में निर्बाध विद्युत आपूर्ति को लेकर ऊर्जा मंत्री ने की समीक्षा

निर्बाध, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सरकार की प्राथमिकता–शर्मा

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने शक्ति भवन सभागार में होली पर्व एवं

आगामी ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा राजस्व वसूली की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक की। श्री शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि होली पर्व के दौरान प्रदेश में कहीं भी अनावश्यक विद्युत कटौती न हो और निर्बाध आपूर्ति की जाए। उन्होंने अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने को कहा ताकि किसी प्रकार की विद्युत दुर्घटना न घटे तथा सभी शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए।आगामी ग्रीष्मकाल की तैयारियों की समीक्षा करते हुए श्री शर्मा ने अनुरक्षण मेंटेनेंस कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर, लाइन, केबल, तेल परिवर्तन एवं अन्य तकनीकी कार्य समय रहते पूर्ण किए जाएं, जिससे गर्मी के दौरान उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। ऊर्जा विभाग के चेयरमैन आशीष गोयल ने भी स्पष्ट किया कि ग्रीष्मकाल में ट्रांसफार्मर जलने या अनावश्यक बिजली कटौती की स्थिति में संबंधित अधिशासी अभियंता एवं एसडीओ की जवाबदेही तय की जाएगी और 10 प्रतिशत ट्रांसफार्मर जलने जैसे बहाने स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विजिलेंस जांच की समीक्षा के दौरान मंत्री श्री शर्मा ने असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि छोटे उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशान करने के बजाय बड़े प्रतिष्ठानों एवं बड़े स्तर पर बिजली चोरी करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विजिलेंस ड्यूटी में लगे ड्राइवरों को तत्काल बदलने के निर्देश दिए। इस पर एमडी पंकज कुमार ने 24 घंटे के भीतर आवश्यक कार्रवाई कर अवगत कराने का आश्वासन दिया।

एक फेज में वोटिंग, ऑनलाइन नॉमिनेशन:ज्ञानेश कुमार

चेन्नई । तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। चुनाव आयोग राज्य में निष्पक्ष और सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह जुट गया है। इसी सिलसिले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चेन्नई में एक अहम बैठक की। इस बैठक के बाद उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में चुनाव से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि चुनाव एक ही चरण में कराए जा सकते हैं। चेन्नई के लीला पैलेस होटल में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए ज्ञानेश कुमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी राजनीतिक दलों के साथ विस्तार से चर्चा हुई है। सभी दलों ने एक ही चरण में चुनाव कराने का सुझाव दिया है। आयोग इस पर विचार करने के बाद अंतिम फैसला लेगा। इससे पहले चुनाव आयोग की देखरेख में राज्य भर में चुनाव की तैयारियों को लेकर एक समीक्षा बैठक हुई। इसमें जिला कलेक्टरों और पुलिस अधिकारियों समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने आयोग को सुरक्षा व्यवस्था और अन्य तैयारियों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर सीईसी ने पहली बार वोट डालने वाले युवाओं को सम्मानित भी किया। ज्ञानेश कुमार ने बताया कि उम्मीदवार चुनाव आयोग के पोर्टल के जरिए ऑनलाइन नामांकन की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन भरे गए नामांकन को सभी मतदाता देख सकते हैं। हालांकि, कानून के अनुसार, उम्मीदवार तय समय के भीतर रिटर्निंग आफिसर के सामने व्यक्तिगत रूप से भी फार्म जमा कर सकते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने 18 से 30 साल के युवा मतदाताओं से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की।

उन्होंने बिहार चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के युवा बड़ी संख्या में वोट डालने के लिए आगे आए थे।

जर्मनी प्रवास से लौटे उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य

प्रदेश में निवेश बढ़ाने का संकल्प दोहराया

लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जर्मनी के सफल एवं उद्देश्यपूर्ण प्रवास के उपरांत आज भारत लौट आए। नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर समर्थकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया।जर्मनी प्रवास के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने उद्योग जगत के अग्रणी लीडर्स, निवेशकों एवं औद्योगिक प्रतिनिधियों के साथ सार्थक एवं परिणामोन्मुखी संवाद किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की उद्योग अनुकूल नीतियों, सुदृढ़ कानून–व्यवस्था, बेहतर बुनियादी ढांचे, विकसित हो रहे एक्सप्रेस–वे नेटवर्क, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी तथा पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था को

विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक संभावनाओं वाला राज्य है, जहां विनिर्माण, अवसंरचना, डैडम्, कृषि आधारित उद्योग, रक्षा उत्पादन, इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स एवं नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। प्रदेश सरकार निवेशकों को 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के अंतर्गत त्वरित अनुमतियां, भूमि उपलब्धता, नीतिगत प्रोत्साहन एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान कर रही है। जर्मनी के उद्योग प्रतिनिधियों ने यूपी में निवेश की संभावनाओं पर सकारात्मक रुचि व्यक्त की है। यह प्रवास प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर और अधिक सशक्त रूप से स्थापित करने की दिशा मेंमहत्वपूर्ण सिद्ध होगा। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि यह यात्रा प्रदेश के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आगामी दिनों मेंप्रदेश को विकास के नए आयामों की ओर अग्रसर करने हेतु निरंतर कार्य करते रहने की प्रतिबद्धता दोहराई।

मुझे रोकने का एक ही रास्ता, पीएम मोदी को दी दिल्ली में चुनाव कराने की चुनौती

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कथित दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने दोनों को बरी कर दिया है। इस फैसले पर अरविंद केजरीवाल अपने आवास से पार्टी दफ्तर तक रोड शो किया। रोड शो के दौरान उन्होंने अपने हाथ में गदा लेकर समर्थकों का अभिवादन किया। केजरीवाल ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताया और पीएम मोदी और अमित शाह पर हमला करते हुए कहा कि इन्होंने आम आदमी पार्टी के खिलाफ बड़ी साजिश रची। इन्हें जब लगा कि ये हमें दिल्ली में नहीं हरा सकते तो इन्होंने ये साजिश की। आज पीएम मोदी और अमित शाह को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केजरीवाल ने कहा कि मैं मोदी जी को दिल्ली में फिर से चुनाव कराने की चुनौती देता हूं। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अगर उन्हें 10 से ज्यादा सीटें मिलीं, तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। उन्होंने कहा कि मुझे रोकने का एक ही रास्ता है मेरा

कत्ल करा करवा दें। केजरीवाल ने कहा कि मैंने सिर्फ ईमानदारी का काम किया। मुझे जेल जाने से फर्फ पड़ता है।

मैं वो राजनेता नहीं हूं जिसकी मोटी चमड़ी है। मेरे जेल जाने से मेरे परिवार पर फर्फ पड़ता है। केजरीवाल ने बीजेपी सरकार पर भी हमला बोला और कहा कि आज दिल्ली की क्या हालत कर दी है। मैंने दिल्ली में पांच हजार स्कूल बनाए, आप पांच सौ स्कूल बना कर दिखा दो। आज दिल्ली की सड़के कितनी खराब हैं। हर जगह गड्ढे ही गड्ढे हैं। मैंने जितना काम दिल्ली के लिए किया आप उतना कर दो आपको चुनाव जीतने के लिए केजरीवाल को जेल में डालने की जरुरत नहीं पड़ेगी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी का एक–एक कार्यकर्ता कट्टर ईमानदार है। कोर्ट ने झूठ का किला ढहा दिया। देशभर के लोगों ने जिन्होंने इतने कठिन समय में हमारा साथ दिया मैं उनका धन्यवाद करता हूं। आप जानते हैं कि किस तरह पिछले चार साल से ईडी, सीबीआई और सारी संस्थाओं का इस्तेमाल करके हमारे ऊपर शराबा घोटाला नामक एक आरोप लगाया गया। सीबीआई, ईडी ने उसमें चार्जशीट दाखिल की। आज कोर्ट ने लगभग 600 पेज के आदेश में कहा है कि इतना भी सबूत नहीं है कि इसमें मुकदमा भी चलाया जा सके।

कोर्ट का कहना है कि इतना गलत, फर्जी केस है कि इसमें मुकदमा भी नहीं चलाया जा सकता। यह पूरा षड्यंत्र किसने और क्यों रचा? यह पूरा षड्यंत्र प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने रचा, उन दोनों को देश से माफी मांगनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री के अधिकारियों पर बरसे सीजेआई,बोले अब नहीं चलेगी मनमानी

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस (सीजेआइ) सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री के कामकाज पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए इसकी कार्यप्रणाली की गहन

जांच के आदेश देने की बात कही है। गुरुवार को एक सुनवाई के दौरान उन्होंने रजिस्ट्री के कुछ अधिकारियों की मनमानी पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि हाल ही में किए गए सुधारों के बावजूद, कुछ अधिकारी स्थापित नियमों के बजाय अपनी मर्जी से काम कर रहे हैं। सीजेआइ सूर्यकांत उस समय स्तब्ध रह गए जब उन्हें पता चला कि एक याचिका, जिसे तीन जजों की पीठ ने पहले ही खारिज कर दिया था, उसे दोबारा दूसरी पीठ के समक्ष सूचीबद्ध कर दिया गया। इस प्रशासनिक चूक पर उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा,रजिस्ट्री में ऐसे अधिकारी हैं जो पिछले 20–30 वर्षों से यहीं हैं। उन्हें लगता है कि हम (न्यायाधीश) यहां केवल ट्रांजिट (अस्थायी) हैं और वे स्थायी हैं। इसलिए, चीजें वैसी ही होनी चाहिए जैसा वे चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि वह अपने कार्यकाल के दौरान इस व्यवस्था को नहीं सुधारते हैं, तो यह उनके कर्तव्यों की विफलता होगी।

उन्होंने कहा, अगर मैं पद छोड़ने से पहले इसे ठीक नहीं करता, तो मैं अपने कर्तव्यों में विफल रहूंगा।श यह मामला सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी को उजागर करता है। लंबे समय से जमे अधिकारियों द्वारा न्यायिक प्रोटोकाल की अनदेखी करना न्याय प्रणाली की दक्षता पर सवाल उठाता है। सीजेआइ का यह कदम रजिस्ट्री के संचालन को सुव्यवस्थित करने और न्यायिक प्रक्रियाओं के प्रति निष्ठा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

कोई नहीं कर सकता हमारे आदेश का उल्लंघन:सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि न तो चुनाव आयोग और न ही राज्य सरकार हमारे आदेशों का उल्लंघन करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि हमने स्पष्ट कर दिया है कि किन दस्तावेजों की जांच की जानी है। हमारे आदेश बिलकुल स्पष्ट हैं। सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से बताया गया कि चुनाव आयोग ने राज्य में मतदाता सूचियों के एसआईआर में तैनात न्यायिक अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर टिप्पणी की कि वह अपने न्यायिक अधिकारियों को जानता है और वे किसी भी चीज से प्रभावित नहीं होंगे। पश्चिम बंगाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के सामने इस मामले का उल्लेख किया। उन्होंने पीठ से कहा, श्चुनाव आयोग ने पीठ पीछे न्यायिक अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया है जिसमें कहा गया है कि उन्हें क्या स्वीकार करना चाहिए और क्या नहीं। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि राज्य में इस प्रक्रिया के लिए तैनात न्यायिक अधिकारी इस संबंध में फैसले लेंगे। सीजेआई ने कहा, हम इस तरह की बातें बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसका अंत होना चाहिए। हम अपने न्यायिक अधिकारियों को जानते हैं और वे किसी भी चीज से प्रभावित नहीं हो सकते। इसके साथ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि किन दस्तावेजों की जांच की जानी है। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने कहा कि हमारे आदेश बिलकुल स्पष्ट हैं। पीठ ने कहा कि न तो चुनाव आयोग और न ही राज्य सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित आदेशों से आगे जाएगी। पश्चिम बंगाल सरकार और चुनाव आयोग के बीच चल रहे गतिरोध से निराश होकर शीर्ष अदालत ने 20 फरवरी को एक असाधारण निर्देश जारी किया। इसमें राज्य में विवादित मतदाता सूचियों की एसआईआर में चुनाव आयोग की सहायता के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का निर्देश दिया गया।

कौशल विकास मिशन ने 6 संस्थाओं से किया एमओयू युवाओं को मिलेगा फ्यूचर–रेडी प्रशिक्षण

योगी सरकार का बड़ा कदम, तकनीकी हुनर के साथ सॉफ्ट स्किल्स और एआई पर जोर

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कौशल से लैस करने की दिशा में लगातार कदम उठा रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने युवाओं को तकनीकी दक्षता के साथ सॉफ्ट स्किल्स, परफॉर्मिंग आर्ट्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक कौशलों से जोड़ने के लिए छह प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन किया है। यह पहल प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन में की गई।

मिशन मुख्यालय, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मिशन निदेशक पुलकित खरे एवं संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार की उपस्थिति में नॉन–फाइनेंशियल डवन् पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को केवल तकनीकी प्रशिक्षण तक सीमित

न रखकर उन्हें संवाद कौशल, आत्मविश्वास, रचनात्मकता और डिजिटल दक्षता से भी सशक्त बनाना है, ताकि वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ सकें।

मिशन निदेशक ने बताया कि यह पहल उत्तर प्रदेश के युवाओं को 'फ्यूचर–रेडी' बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतेंदु नाट्य अकादमी के साथ साझेदारी से युवाओं को मंच कौशल, संवाद क्षमता और रचनात्मक अभिव्यक्ति का प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे कला आधारित रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। वहीं, डिजिटल लर्निंग पार्टनर के रूप में ओरैकल द्वारा विकसित ऑनलाइन कोर्स मिशन की वेबसाइट के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

कार्यक्रम के तहत भारतेंदु नाट्य अकादमी, हेल्ड हाई फाउंडेशन, मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन, द अप्रेंटिस प्रोजेक्ट, ओरैकल तथा रैना एजुकेशन फाउंडेशन के साथ समझौते किए गए हैं। इन संस्थाओं के सहयोग से प्रदेश के विभिन्न मंडलों में युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रयागराज एवं वाराणसी मंडलों में 'फाउंडेशनल एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स' कार्यक्रम के माध्यम से इंग्लिश स्पीकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग और प्रॉब्लम सॉल्विंग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अयोध्या मंडल में 'द अप्रेंटिस प्रोजेक्ट' के सहयोग से प्रशिक्षणार्थियों को एआई एवं मशीन लर्निंग आधारित तकनीकों से परिचित कराया जाएगा। वहीं रैना एजुकेशन फाउंडेशन सॉफ्ट स्किल्स, हार्ड स्किल्स और माइक्रो–इंटर्नशिप के माध्यम से शिक्षा और रोजगार के बीच की दूरी कम करने का कार्य करेगा। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से 'ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स' कार्यक्रम भी संचालित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत प्रशिक्षकों को संवाद कौशल, व्यक्तित्व विकास और एआई के मूल सिद्धांतों में दक्ष बनाया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर आधारित यह पहल उन युवाओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी होगी, जो तकनीकी ज्ञान होने के बावजूद सॉफ्ट स्किल्स की कमी के कारण रोजगार से वंचित रह जाते हैं।

प्रदेश सरकार का मानना है कि तकनीकी दक्षता के साथ व्यवहारिक और डिजिटल कौशल का समन्वय ही युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा। योगी सरकार की यह पहल प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें राष्ट्रीय व वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

जनपद न्यायाधीश मलखान सिंह ने विधिक सेवा वाहन को दिखाई हरी झंडी

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार हेतु विधिक सेवा वाहन रवाना

तहसीलों और दूरदराज क्षेत्रों में करेगा विधिक जागरूकता अभियान

लखनऊ। जनपद न्यायाधीश /अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ माननीय

मलखान सिंह ने शुक्रवार को जनपद न्यायालय परिसर से विधिक सेवा वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा उपलब्ध कराया गया है।

विधिक सेवा वाहन के माध्यम से आगामी 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाएगा। वाहन जनपद की समस्त तहसीलों, ब्लॉकों एवं दूरदराज क्षेत्रों में पहुंचकर आमजन को लोक अदालत की प्रक्रिया, लाभ और महत्व के बारे में जागरूक करेगा। इसके साथ ही यह वाहन राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0 के प्रचार–प्रसार का कार्य भी करेगा, ताकि अधिक से अधिक लोग वैकल्पिक विवाद निस्तारण की प्रक्रिया से जुड़ सकें और त्वरित, सुलभ एवं कम खर्च में न्याय प्राप्त कर सकें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य जनसामान्य को विधिक सेवाओं से जोड़ना तथा लोक अदालतों में अधिकाधिक वादों का निस्तारण सुनिश्चित करना है, जिससे लोगों को शीघ्र एवं सुलभ न्याय मिल सके।

दिवंगत पत्रकारों को यू.पी. प्रेस क्लब में भावभीनी श्रद्धांजलि

लखनऊ। राजधानी के मुख्य धारा के दो युवा पत्रकारों स्वर्गीय विधि सिंह और स्वर्गीय मोहम्मद इरफान को आज यू.पी. प्रेस क्लब में आयोजित शोक सभा में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

पत्रकारों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी खबरों और सादा जीवन शैली पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने दोनों परिवारों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने और ईश्वर से उनकी आत्मा की शान्ति की प्रार्थना की।

प्रायः सभी वक्ताओं ने सरकार से अनुरोध किया कि वह दोनों दिवंगत पत्रकारों के परिवारों को समुचित आर्थिक सहायता प्रदान करें।

सभा को यू.पी. वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन के अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी, यू.पी. प्रेस क्लब के अध्यक्ष रवीन्द्र कुमार सिंह, विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान ,यूनियन की लखनऊ इकाई के अध्यक्ष शिवशरण सिंह और प्रदेश महामंत्री देवराज सिंह, पीके तिवारी , मान्यता समिति के कोषाध्यक्ष आलोक

त्रिपाठी , वरिष्ठ पत्रकार भास्कर दुबे , सुरेश यादव , परवेज अहमद , हुमायूं चौधरी , नजम अहमद , कुद्दूस हाशमी, अखिलेश श्रीवास्तव , शशि नाथ दुबे, अजीत कुमार सिंह, जुबेर अहमद , फूडमैन विशाल सिंह ,अमरेंद्र सिंह, तौकीर किदवाई , आसिफ जाफरी, विजय मिश्रा आदि पत्रकारों ने संबोधित कर पुष्पांजलि अर्पित की।

खुलासा, ग्रांट थ्रोनटन का एमपी मे आर्डर टर्मिनेट,सिक्योरिटी जप्त

सिस्टम मिसमैच और संविदा कार्मिकों की छटनी पर उठाया सवाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन की आज आम जनता की सुनवाई अयोध्या के सर्किट हाउस सभागार में प्रातः 12.00 बजे से शुरू हुई जिसकी अध्यक्षता उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री अरविंद कुमार व सदस्य श्री संजय कुमार सिंह की उपस्थिति में शुरू हुई जिसमें पूरा विद्युत नियामक आयोग सहित पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन के उच्च अधिकारी व निदेशक उपस्थित थे सबसे पहले आयोग के निर्देश पर उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन की तरफ से ट्रांसमिशन की वार्षिक राजस्व आवश्यकता पर अपना प्रस्तुतीकरण किया गया। इस दौरान उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष ने अमरीकी कम्पनी ग्रांट थ्रोनटन का मध्यप्रदेश में आर्डर टर्मिनेट और सिक्योरिटी राशि जब्त होने की जानकारी दी। यही नही उन्होंने सिस्टम के मिसमैच से होने वाली असुविधा एवं संविदा कार्मिकों की छटनी से उपज रहे व्यवधानों को भी रखा। वार्षिक राजस्व आवश्यकता के प्रस्तुतीकरण के तुरंत बाद प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं की तरफ से अपना पक्ष रखते हुए उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष केंद्र व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने आज पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन की सुनवाई में अब तक का सबसे बड़ा खुलासा किया कहा पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन में एक टेंडर देने की तैयारी की जा रही थी और वह एक बड़ी कंसलटेंट कंपनी ग्रांट थ्रोनटन एलएलपी भारत जिसके द्वारा उत्तर प्रदेश के 42 जनपदों के निजीकरण का मसौदा तैयार किया गया था और उपभोक्ता परिषद ने इसका खुलासा किया था कि ग्रांट थ्रांटन पर अमेरिका रेगुलेटर द्वारा 40 हजार डॉलर की पेनल्टी लगाते हुए सेंसर किया गया इसके बाद भी उत्तर प्रदेश में उसे निजीकरण का टेंडर दिया गया उसे समय उपभोक्ता परिषद के कुलसी के बाद पावर कॉरपोरेशन सरकार ने तहकीकात की और कहा अमेरिका में इस पर कार्रवाई हुई है लेकिन इंडिया में नहीं आज उपभोक्ता परिषद आयोग के सामने एक कागज प्रस्तुत कर रहा है जो सितंबर 2025 मध्य प्रदेश बिजली निगम का है जिसमें मध्य प्रदेश बिजली वितरण कंपनी ने ग्रांट थ्रांटन कंपनी को एक टेंडर में उसका पूरा आर्डर टर्मिनेट करते हुए उसकी सिक्योरिटी और बैंक गारंटी जप्त कर ली है क्या यह किसी को पता है अब सिद्ध हो गया है कि ग्रांट थ्रोनटन पूरी तरह अमेरिका और इंडिया दोनों में दोषी है निजीकरण के प्रस्ताव को अब विद्युत नियामक आयोग तत्काल निरस्त करें। इस चौप्टर को हमेशा के लिए। बंद करते हुए निजीकरण का प्रस्ताव खारिज करें और इस कंपनी को पावर कॉरपोरेशन द्वारा जो टेंडर दिया गया उसमें जो दोषी है उनके खिलाफ कार्रवाई करें और उसको यदि कोई पेमेंट दिया गया है तो उसकी भी वसूली कराई जाए। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने एक और बड़ा खुलासा करते हुए कहा पूरे प्रदेश में 3 करोड़ 72 लाख विद्युत उपभोक्ताओं द्वारा लिए गए भार 8 करोड़ 36 लाख किलोवाट के सापेक्ष 132 केवी सब स्टेशनों की क्षमता मात्र 6 करोड़ 25 लाख किलोवाट के बराबर है ऐसे में गर्मी में पूरा सिस्टम मिसमैच हो जाता है ऊपर से इसी सिस्टम पर 20: बिजली चोरी का भी लोड है इसी के चलते सप्लाई नहीं कर पता है इसलिए पहले पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन 132 केवी सब स्टेशनों की क्षमता बढ़ाई जाए तभी सुचारू से विद्युत आपूर्ति हो पाएगी उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने निजी क्षेत्र के टीबीसीबी पर अंकुश लगाने की मांग उठाई कहां पूरे पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन का निजी क्षेत्र और खुद का जो वास्तविक राजस्व आवश्यकता है वह 9596 करोड़ है जिसमें पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन का 7276 करोड़ और केवल निजी टीबीपीबी का 2320 करोड़ जो कुल वार्षिक राजस्व आवश्यकता का 25 प्रतिशत है इसलिए आगे से टीवीसीबी व्यवस्था पर रोक लगाई जाए।उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने कहा 3 करोड़ 72 लाख विद्युत उपभोक्ताओं के सापेक्ष जो सभी बिजली निगम व पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन में भी कार्मिकों और अभियंताओं की संख्या होनी चाहिए वह बहुत कम है संविदा पर कार्मिकों को रखा गया और अब उसकी छटनी की जा रही है पहले कहा गया कि नियमित भर्ती नहीं हो रही है इसलिए संविदा कार्मिकों को रखा गया है और अब बड़े पैमाने पर उनकी छटनी हो रही है ऐसे में छटनी करने वाले प्रबंध निदेशक और निर्देशकों की सैलरी पर मिसलेनियस से कटौती की जाए जब उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ रही है तो छटनी कैसे हो सकती है एक तरफ बिजली कंपनियां कहती है कि या सरकारी कंपनी है इसका निजीकरण सरकार कर सकती है और जब सरकार संविदा कार्मिकों को संरक्षण देने की बात करती है तो पावर कॉरपोरेशन की तरफ से सरकार को चिट्ठी जाती है कि संविदा सेवा निगम से उसे अलग रखा जाए इसका मतलब उत्तर प्रदेश में संविदा कार्मिकों का उत्पीड़न करने के लिए ऐसा किया जा रहा है इसलिए सभी छःटनी पर रोक लगाते हुए जिसे भी छटनी की गई उनको पुन्हा सेवा में रखते हुए समान काम समान वेतन की व्यवस्था लागू की जाए।उपभोक्ता परिषद में पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन के आने को तकनीकी पहलुओं पर भी अपनी बात रखते हुए कहा है कि इनका ट्रांसमिशन हानियां अधिक है सिस्टम अपग्रेड नहीं है साइबर सिक्योरिटी पर कमजोर है आयोग द्वारा अनेकों अध्ययन के लिए कहा गया उसे पर भी समय से कार्रवाई नहीं की जा रही है ।

अनुदान पर कृषि यंत्र पाने के लिए 4 मार्च तक एग्रीदर्शन पोर्टल पर करें आवेदन

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार ने होली के पावन पर्व पर प्रदेश के किसानों को एक बड़ा उपहार दिया है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के नेतृत्व में कृषि विभाग द्वारा 'सशक्त किसान, समृद्ध उत्तर प्रदेश' के संकल्प को साकार करते हुए विभिन्न कृषि योजनाओं के अंतर्गत कृषि यंत्रों, कस्टम हायरिंग सेंटर और कृषि ड्रोन आदि पर अनुदान प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। किसान विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर इन योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं।कृषि विभाग द्वारा संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना के अंतर्गत कस्टम हायरिंग सेंटर, कृषि ड्रोन, फार्म मशीनरी बैंक एवं अन्य एकल कृषि यंत्रों के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

चेयरमैन के रुख के आधार पर आंदोलन की घोषणा करेगी संघर्ष समिति

संवाददाता

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय पदाधिकारी 28 फरवरी को उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन आशीष गोयल से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात बिजली कर्मियों के विरुद्ध चल रही उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों को वापस कराने तथा उनके निवासों पर जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जाने के विरोध में की जा रही है। संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया है कि चेयरमैन एवं प्रबंधन के रुख को देखते हुए मार्च और अप्रैल माह में प्रस्तावित आंदोलन के विस्तृत कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। यदि प्रबंधन ने दमनात्मक रवैया नहीं बदला तो प्रदेशव्यापी आंदोलन को और तेज किया जाएगा। संघर्ष समिति के अनुसार पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड तथा दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निजीकरण के विरोध में चल रहे आंदोलन के दौरान बिजली कर्मियों पर लगातार दमनात्मक कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2025 में सेवा नियमों में तानाशाहीपूर्ण संशोधन कर बिना चार्जशीट और बिना स्पष्टीकरण का अवसर दिए सेवा से बर्खास्त करने का प्रावधान लागू कर दिया गया है, जिसे संघर्ष समिति ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध बताया है।संघर्ष समिति का आरोप है कि अब तक लगभग 25,000 अल्प वेतनभोगी संविदा कर्मियों को सेवा से हटाया जा चुका है, हजारों कर्मियों का जबरन तबादला किया गया है तथा निलंबन और स्थानांतरण की कार्रवाई अभी भी लगातार जारी है। संघर्ष समिति ने यह भी कहा कि बिजली कर्मियों के घरों पर जबरदस्ती स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं और विरोध करने पर उनकी विद्युत आपूर्ति काटी जा रही है जो नियम विरुद्ध है ।

केंद्रीय पदाधिकारी चेयरमैन से यह स्पष्ट जवाब मांगेंगे कि ऐसे आदेश किस कानून और किस अधिकार के तहत जारी किए जा रहे हैं। निजीकरण के विरोध में जारी आंदोलन के आज 457 दिन पूर्ण होने पर प्रदेश के समस्त जनपदों में व्यापक विरोध प्रदर्शन जारी रखा गया।

पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग की बैठक सम्पन्न, ओबीसी योजनाओं व आरक्षण पर समीक्षा

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग की बैठक आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उपाध्यक्ष सोहन लाल श्रीमाली एवं आयोग के सदस्यगण उपस्थित रहे। बैठक में अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी के उत्थान एवं विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत विचार–विमर्श किया गया।बैठक में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ओबीसी कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करने पर बल दिया गया कि योजनाओं का लाभ

पात्र वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंचे। आयोग ने अन्य पिछड़ा वर्ग को नियुक्ति एवं शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण दिए जाने से संबंधित प्राप्त शिकायतों पर भी चर्चा की। इसके साथ ही जातियों के सम्मिलन एवं निष्कासन से संबंधित प्राप्त प्रत्यावेदनों पर भी विचार–विमर्श किया गया।बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं का शत–प्रतिशत लाभ अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को मिल रहा है या नहीं, इसकी जनपदवार समीक्षा कराई जाएगी। इसके लिए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने पर सहमति बनी। आयोग ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग के सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और आयोग इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा।

कोटेदारों के साथ पूर्वी विधायक की बैठक में आयुष्मान कार्ड,एसआई फार्म पर चर्चा

लखनऊ। लखनऊ पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में जनहित को समर्पित एक अभिनव पहल के अंतर्गत विधायक ओ.पी. श्रीवास्तव के नेतृत्व में आज इंदिरा नगर स्थित रोसेल इन होटल में आयुष्मान कार्ड वितरण एवं नव मतदाता पंजीकरण को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह पहल पूरी विधानसभा में एक समन्वित अभियान के रूप में चलाई जा रही है, जिसका उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र नागरिकों तक पहुँचाना और लोकतांत्रिक भागीदारी को सशक्त बनाना है। विधायक जी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जनसेवा केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि घर–घर पहुँचकर योजनाओं को लागू करने से सिद्ध होती है, और इसी सोच के साथ खाद्य एवं रसद विभाग के माध्यम से कोटेदारों को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में खाद्य एवं रसद विभाग से सप्लाई इंस्पेक्टर राजेश कुमार, आपूर्ति निरीक्षक अतुल शंकर श्रीवास्तव तथा आपूर्ति लिपिक आशीष कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। लखनऊ पूर्वी विधानसभा के बड़ी संख्या में कोटेदार कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। विधायक जी ने निर्देशित किया कि प्रत्येक कोटेदार अपने–अपने क्षेत्र में पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत शीघ्र कार्ड उपलब्ध कराने में सहयोग करे, ताकि जरूरतमंद परिवारों को 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क उपचार सुविधा का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी पात्र परिवार केवल जानकारी के अभाव में योजना से वंचित न रहे, इसके लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए और छूटे हुए लाभार्थियों की सूची तैयार कर प्रशासन को उपलब्ध कराई जाए। उसके बाद शिविर लगाकर इनके आयुष्मान कार्ड बनवाये जाएं। इसी के साथ 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। विधायक ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती युवाओं की भागीदारी से ही संभव है, इसलिए नव मतदाताओं का पंजीकरण अभियान प्राथमिकता के आधार पर चलाया जाए और फॉर्म–6 भरवाने की प्रक्रिया को सरल व सुलभ बनाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए ।

भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ की टीम ने किया जल जीवन मिशन के प्रभाव मूल्यांकन

लखनऊ। भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ के परियोजना निदेशक प्रो. प्रियंका शर्मा के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम डॉ. आरके जायसवाल, रज्जन बाबू मिश्रा एवं आयुष मिश्रा द्वारा लखनऊ के विकास खंड माल अंतर्गत ग्राम पंचायत अटारी का निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण जल जीवन मिशन के प्रभाव के आकलन के उद्देश्य से किया गया। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य समुदाय की प्रतिक्रिया प्राप्त करना, क्रियान्वयन में आई चुनौतियों की पहचान करना तथा मिशन के माध्यम से ग्रामीणों के स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं जीवन स्तर में आए सकारात्मक परिवर्तनों का मूल्यांकन करना है। 27 फरवरी को डीपीएमयू टीम की उपस्थिति में ग्राम पंचायत अटारी में ग्रामीण पाइप पेयजल योजना के पूर्ण होने के उपरांत उसके प्रभाव का स्थलीय आकलन किया गया। निरीक्षण के दौरान आईआईएम की संयुक्त टीम ने ग्राम जल संस्था समिति एवं स्वच्छता समिति की अध्यक्ष ग्राम प्रधान श्रीमती संयोगता सिंह चौहान, समिति के सदस्यों तथा ग्रामवासियों–ऊधन, पल्लू, पाल , अंकित एवं शुभम से संवाद स्थापित किया।

भतीजे की बरात में डांस कर रहे चाचा की मौत, हार्ट अटैक की आशंका

संवाददाता

कानपुर। किदवईनगर थाना क्षेत्र में भतीजे की शादी की खुशियां अचानक मातम में बदल गईं। बरात में डांस कर रहे अधेड़ चाचा डांस करते वक्त अचानक गिर पड़े। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू की है।

जाजमऊ के छबीलेपुरवा निवासी राजेश कुमार (51) चंडीगढ़ में एक निजी कंपनी में कार्यरत थे। परिवार में पत्नी रानी और तीन बेटियां अन्नू, तन्नू व मुस्कान हैं। रिश्तेदारों के अनुसार बताया गया कि राजेश भतीजे शिवम की शादी में शामिल होने के लिए कानपुर आए थे। शादी समारोह जूही डिपो के पास स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित हो रहा था। बुधवार रात रिश्तेदारों के साथ बरात गेस्ट हाउस के लिए रवाना हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बरात जैसे ही आगे बढ़ी डीजे की धुन पर राजेश खुशी में झूमकर डांस करने लगे। अचानक सड़क पर गिर पड़े। लोगों ने तुरंत उन्हें उठाया और निजी वाहन से हैलट अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। राजेश की मौत की खबर मिलते ही परिवार और रिश्तेदारों में कोहराम मच गया। पत्नी और बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जिस घर में शादी की खुशियां मनाई जा रही थीं वहां अचानक पसरे मातम से माहौल गमगीन हो गया। किदवईनगर पुलिस मौके पर पहुंची और पूछताछ की।

किदवईनगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर मामला हार्ट अटैक का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट न होने से विसरा सुरक्षित किया गया है।

बंधे के किनारे कंबल में लिपटा मिला महिला का शव, तीन से चार दिन लग रहा पुराना,

जांच में जुटी पुलिस

कानपुर। कानपुर में पनकी थाना क्षेत्र के अंतर्गत पनकी मंदिर से गंगागंज जाने वाले मार्ग पर शनिवार पावर हाउस राख के बंधे के किनारे भरे पानी में एक संदिग्ध कंबल तैरता देखा। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जब कंबल को बाहर निकलवाया, तो उसमें एक अज्ञात महिला का शव लिपटा मिला। शव की स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या कहीं और कर पहचान छिपाने के लिए उसे यहां फेंका गया है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, शव करीब तीन से चार दिन पुराना है। पानी में रहने के कारण शव फूल चुका था, जिससे शिनाख्त में काफी दिक्कतें आ रही हैं।

सुरसा में क्षेत्र पंचायत की वार्षिक बैठक, विकास कार्यों के लिए प्रस्तावों पर चर्चा

संवाददाता

हरदोई। सुरसा ब्लॉक सभागार में क्षेत्र पंचायत सदस्यों की वार्षिक बैठक आयोजित की गई। ब्लॉक प्रमुख विजय पाल ने बैठक की अध्यक्षता की। प्रमुख प्रतिनिधि धनंजय मिश्रा और खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) कविता अवस्थी ने दीप प्रज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया। बीडीओ ने प्रमुख और प्रमुख प्रतिनिधि को बुके देकर सम्मानित किया। खंड विकास अधिकारी कविता अवस्थी ने बैठक में विभिन्न सरकारी योजनाओं की समीक्षा की और सदस्यों को विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस दौरान ग्राम्य विकास, पंचायत विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य विभाग और बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रमुख प्रतिनिधि धनंजय मिश्रा ने आश्वासन दिया कि क्षेत्र पंचायत सदस्यों और ग्राम प्रधानों द्वारा दिए गए सुझावों और प्रस्तावों का शीघ्र अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, वृद्धा पेंशन और विधवा पेंशन जैसी प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पात्र व्यक्तियों तक इन योजनाओं का लाभ पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने क्षेत्रों में विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। बैठक के दौरान, सदस्यों से विकास कार्यों से संबंधित प्रस्ताव आमंत्रित किए गए, जिन्हें उन्होंने ब्लॉक प्रमुख को सौंपा। ब्लॉक प्रमुख विजय पाल ने आश्वासन दिया कि प्राप्त प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द पूरा कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र पंचायत सदस्यों के मान-सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा और सभी ग्राम पंचायतों में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने क्षेत्र पंचायत के संसाधनों के समुचित उपयोग से समग्र विकास को गति देने पर जोर दिया। बीडीओ कविता अवस्थी ने बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार गांवों को स्मार्ट गांव के रूप में विकसित करने पर काम कर रही हैं। उन्होंने क्षेत्र पंचायत सदस्यों से आह्वान किया कि वे गांवों को मॉडल के रूप में विकसित करने में सक्रिय भूमिका निभाएं और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग करें। बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी डी.एल. राना, बाल विकास विभाग की टीम, स्वास्थ्य विभाग की टीम, एडीओ पंचायत, समाज कल्याण विभाग के प्रतिनिधि, ब्लॉक कर्मचारी सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों के लिए अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

दो चरणों मे होगी डिजिटल जनगणना, प्रथम चरण 22 मई से 20 जून 2026 तक

संवाददाता

उन्नाव। कलेक्टेªट सभागार में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड़ जी

की अध्यक्षता में भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकान की गणना संबंधी तैयारियों के दृष्टिगत जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति के सदस्यों को जनगणना 2027 के कार्यों के सफल सम्पादन हेतु प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण जनपद उन्नाव के लिए जनगणना कार्य निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ जिला उन्नाव के लिए जिला जनगणना प्रभारी उमाशंकर सांख्यिकी अन्वेषक द्वारा दिया गया। जनगणना प्रभारी उमा शंकर ने चार्ज अधिकारियों (तहसीलदार एवं अधिशासी अधिकारियों) के दायित्व, जनगणना 2027 की प्रारंभिक तैयारियों, फील्ड ट्रेनर की ट्रेनिंग की तैयारी प्रगणक एवं पर्यवेक्षक का डाटा तैयार करने और ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किए जाने के संबंध में प्रशिक्षण, मकान सूचीकरण एवं मकान की गणना के कार्यों के मॉनिटरिंग के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड़ ने 2027 की डिजिटल जनगणना के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि 2027 की जनगणना दो चरणों मे कराई जाएगी। कहा कि प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकान की गणना की जाएगी। जनगणना 2027 के कार्यान्वयन एवं सफल संचालन हेतु जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति का गठन किया गया है। कहा की 2027 की डिजिटल जनगणना होगी। यह 1872 से जारी श्रृंखला में 16वीं जनगणना और स्वतंत्रता के बाद से आठवीं जनगणना होगी। कहा की डिजिटल मोड में होने वाली यह पहली जनगणना होगी। डाटा संग्रह प्रगणकों के स्मार्टफोन पर समर्पित मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाएगा तथा जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी सीएम एमएस पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। कहा कि पहली बार परिवारों के पास वेबपोर्टल के माध्यम से स्व गणना का विकल्प होगा अर्थात अपनी गणना स्वयं करवा सकेंगे।

जिसे बाद में प्रगणक द्वारा सत्यापित कर दर्ज कर लिया जाएगा। कहा की प्रथम चरण 22 मई से 20 जून 2026 (जिसकी स्व गणना अवधि 07 मई से 21 मई 2026 है) में मकान सूचीकरण एवं मकान की गणना की जाएगी जिसमें सभी भवनों जनगणना मकान और परिवारों की पहचान करना उन्हें व्यवस्थित रूप से सूचीबद्ध करना होगा तथा मकान से संबंधित सूचना जैसे फर्श की सामग्री, दीवार की सामग्री एवं छत की सामग्री, आवास की स्थिति,सुविधाओं और संपत्तियों पेयजल का स्रोत शौचालय तक पहुंच पर महत्वपूर्ण डाटा एकत्र करना होगा।

अधिवक्ताओं ने चंद्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस मनाया

संवाददाता

हरदोई। अधिवक्ताओं ने महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद का 95वां बलिदान दिवस मनाया। अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता परिषद के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अधिवक्ताओं ने इस अवसर को श्रद्धांजलि दिवस के रूप में मनाया। शुक्रवार को परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता शिव सेवक गुप्त श्जय शिवश के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर में सैकड़ों अधिवक्ता और पदाधिकारी एकत्र हुए। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए। पूरा परिसर वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। इस दौरान अधिवक्ताओं ने देश की एकता और अखंडता की रक्षा का सामूहिक संकल्प भी लिया। सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव सेवक गुप्त ने चंद्रशेखर आजाद को मां भारती का सच्चा सपूत बताया। उन्होंने कहा कि आजाद ने किशोरावस्था में ही अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी थी। गुप्त ने 27 फरवरी 1931 की घटना का जिक्र करते हुए बताया कि इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में अंग्रेजों ने उन्हें घेर लिया था। आजाद ने कई अंग्रेजों को मार गिराया और अंतिम गोली स्वयं को मारकर अपनी प्रतिज्ञा पूरी की कि वे कभी जीवित नहीं पकड़े जाएंगे। जिला संगठन मंत्री अधिवक्ता शुभम गुप्ता ने कहा कि अंग्रेजी साम्राज्य आजाद के नाम से थर-थर कांपता था। उनके बलिदान के बाद भी अंग्रेज अधिकारी कई घंटों तक उनके शरीर के पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाए थे। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने उनके पदचिन्हों पर चलकर राष्ट्र की अस्मिता को अक्षुण्ण बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री संजीव अवस्थी, अतुल चतुर्वेदी, निहित मिश्रा, सत्येंद्र मिश्रा, राम प्रताप श्रीवास्तव, राजीव मिश्रा, प्रशांक तिवारी, धीरेंद्र सिंह, राहुल मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष दिनेश चंद त्यागी, युवा महिला जिला अध्यक्ष तृप्ति शर्मा, अमर सिंह, अंकित गुप्ता, विनय कुमार गुप्ता, अहमद खान और सुमित पाठक सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

लोगों को कचरा इधर-उधर न फेंकने के लिए प्रेरित किया गया

संवाददाता

उन्नाव। विकास खंड सिकंदरपुर करन की ग्राम पंचायत पंसारी में स्वच्छ भारत

मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। 22 एवं 23 फरवरी 2026 को पंचायत भवन सभागार में आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्राम स्तर पर स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करना तथा ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन (एसएलडब्ल्यूएम) को प्रभावी ढंग से लागू करना रहा। प्रशिक्षण में ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत अधिकारी, पंचायत सहायक, सचिव, आशा बहुएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सफाई मित्र, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाएं सहित अन्य ग्राम स्तरीय प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को गीले, सूखे एवं घरेलू हानिकारक कचरे के पृथक्करण, घर-घर कचरा संग्रहण, सुरक्षित निस्तारण, कंपोस्टिंग प्रक्रिया, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन तथा रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) की उपयोगिता के बारे में समझाया। साथ ही गांवों को ओडीएफ प्लस श्रेणी में बनाए रखने और स्वच्छता मानकों का पालन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।

विशेषज्ञों ने बताया कि यदि प्रत्येक परिवार अपने स्तर पर कचरे का पृथक्करण शुरू कर दे तो गांव में गंदगी की समस्या काफी हद तक समाप्त की जा सकती है। लोगों को कचरा इधर-उधर न फेंकने, खुले में कचरा न जलाने और निर्धारित स्थान पर ही निस्तारण करने के लिए प्रेरित किया गया। पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों की सुरक्षा तथा स्वास्थ्य पर स्वच्छता के सकारात्मक प्रभावों की भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे स्वच्छता का संदेश घर-घर पहुंचाएंगे और ग्राम पंचायत को स्वच्छ, सुंदर व आदर्श बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

बृहद रोजगार मेला में ऑफर लेटर वितरण समारोह का आयोजन

राज्यमंत्री, विधायक, जिलाधिकारी ने रोजगार मेले का किया शुभारंभ

संवाददाता

उन्नाव। राज्य मंत्री अल्पसंख्यक कल्याण मुस्लिम वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्य मंत्री, विधायक, जिला अधि

वक्फ एवं हज उत्तर प्रदेश दानिश आजाद अंसारी, सदर विधायक पंकज गुप्ता व जिलाधिकारी गौरांग राठी की उपस्थिति में वीरेंद्र स्वरूप ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन बंथर में जिला सेवायोजन विभाग द्वारा बृहद रोजगार मेला ध्‍ ऑफर लेटर ... कारी ने दीप प्रज्ज्वलन कर मां सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण कर किया गया। रोजगार मेला में 25 से अधिक निजी कंपनियों ने प्रतिभाग किया और 1266 बच्चों को शॉर्ट लिस्टेड चयनित किया गया जिनमें से 10 बच्चों को माननीय मंत्री जी माननीय विधायक जी और जिलाधिकारी जी ने नियुक्ति पत्र वितरण कर उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दिया। 10 लाख 25 लाख अधिकतम 40 लाख तक के पैकेज के कंपनियों ने बच्चों को नियुक्ति पत्र दिया। भारतीय वायुसेना ने भी अग्नि वीर भर्ती के लिए 150 बच्चों को शार्ट लिस्ट किए जाने की इच्छा जाहिर की है जिन्हें चकेरी एयरपोर्ट में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी प्रकार 15 दिव्यांग बच्चों को भी चयनित कर NGO सार्थक फाउंडेशन के द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। रोजगार मेले में हाई स्कूल से ऊपर के योग्यता धारण करने वाले बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कहा कि बच्चे कड़ी मेहनत ईमानदारी के साथ करें कहा कि आप लोगों के लिए यह प्रथम सीढ़ी है आप और अधिक मेहनत करेंगे तो और बड़ी सफलता प्राप्त करेंगे। जिलाधिकारी ने कोड योगी के बारे में बड़ी गंभीरता के साथ बच्चों को जानकारी दी। साथ ही एआई के अधिक से अधिक अपने जीवन में उपयोग के बारे में सुझाव दिया। इस अवसर पर मंत्री व विधायक ने भी चयनित बच्चों को संबंधित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दिया। इस अवसर पर स्व स्क्रीन के माध्यम से भारतीय वायुसेना के बारे में व अग्नि वीर भर्ती की भ्रांतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रीती चंद्रा जिला सेवन योजन अधिकारी, सहायक जिला सेवा योजन अधिकारी आरथा सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी व जिला सेवायोजन विभाग के स्टाफ गण मौजूद रहे।

बीमारी से परेशान व्यक्ति ने नहर में लगाई छलांग, 24 घंटे से रेस्क्यू जारी

संवाददाता

रायबरेली। मिल एरिया थाना क्षेत्र में जैतुपुर स्थित शारदा नहर में एक 52 वर्षीय व्यक्ति ने बीमारी से परेशान होकर छलांग लगा दी। यह घटना बीती रात की है। व्यक्ति की पहचान गिरिजा शंकर शर्मा के रूप में हुई है। एसडीआरएफ की टीम पिछले 24 घंटे से उनकी तलाश कर रही है। नहर के पास से गिरिजा शंकर शर्मा की चप्पल और एक शॉल बरामद हुई है। इससे उनके नहर में कूदने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। टीम लगातार गिरिजा शंकर शर्मा की तलाश में जुटी है, लेकिन अभी तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण और परिजन मौजूद हैं, जो उनके सकुशल मिलने की उम्मीद कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, गिरिजा शंकर शर्मा पिछले चार वर्षों से एक गंभीर बीमारी से ग्रसित थे। उनका इलाज रायबरेली और लखनऊ के सरकारी व निजी अस्पतालों में चल रहा था, लेकिन दवाओं से फायदा न मिलने के कारण वे अक्सर परेशान रहते थे। ग्रामीणों ने बताया कि शर्मा जी प्राइवेट नौकरी करते थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं, जिनकी जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। मिलएरिया थाना अध्यक्ष विंध्य विनय रावत ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पहले गोताखोरों से तलाश कराई गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। शारदा नहर में पानी का बहाव तेज होने के कारण एसडीआरएफ टीम की मदद ली गई है, जो लगातार खोज अभियान चला रही है।

किसान यूनियन ने बारात घर की मांग की,मासिक बैठक में उठाया मुद्दा

बाराबंकी। गन्ना परिसर में भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति की मासिक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान संगठन के जिला अध्यक्ष ने ग्राम पंचायतों में बारात घर (सामुदायिक भवन) के निर्माण की मांग उठाई। जिला अध्यक्ष ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक कार्यक्रमों, शादी-विवाह और सामुदायिक बैठकों के लिए उचित स्थान की कमी है। ग्रामीणों को इन आयोजनों के लिए या तो निजी खर्च उठाना पड़ता है या बाहर जाना पड़ता है, जिससे उन्हें असुविधा होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ग्राम पंचायत में एक बारात घर का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। यह ग्रामीणों को एक सुविधाजनक स्थान प्रदान करेगा और उन्हें अनावश्यक परेशानी तथा खर्च से बचाएगा।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने फंदा लगाकर दी जान, ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना का आरोप

संवाददाता

बाराबंकी। थाना मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र में शुक्रवार की भोर एक 28 वर्षीय युवक ने बंद कमरे के अंदर बेल्ट के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने मृतक की पत्नी और ससुराल पक्ष पर मारपीट व प्रताड़ित करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। बताया जा रहा है कि बाबू उर्फ सलीम का बेटा हलीम एक सप्ताह पूर्व अपनी पत्नी रेहाना को लेने उसके मायके इटौंजा, थाना महमूदाबाद जनपद सीतापुर गया था। आरोप है कि वहां पत्नी रेहाना, उसकी मां कमरुल, भाई शब्बीर, उसकी पत्नी व ससुर अमीर हसन ने उसके साथ मारपीट की और दोबारा न आने की बात कही। पुलिस हस्तक्षेप के बाद हलीम वापस घर लौट आया, लेकिन वह मानसिक तनाव में रहने लगा था। शुक्रवार सुबह रोजे के चलते परिवार के साथ सेहरी करने के बाद वह अपने कमरे में चला गया। काफी देर तक बाहर न आने पर परिजनों ने देखा तो वह फंदे से लटका मिला। आनन-फानन में उसे फतेहपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने ससुराल पक्ष के खिलाफ प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। कोतवाल आशुतोष मिश्रा ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

विधायक ने बघौला में किया लोकार्पण,दिव्यांगों के लिए विशेष योजना की घोषणा

संवाददाता

रायबरेली। सलोन के ग्राम पंचायत बघौला में बाउंड्री वॉल और पंचायत भवन कायाकल्प का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सलोन विधायक अशोक कुमार कोरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रधान नीलम मौर्य, प्रधान प्रतिनिधि अरविंद मौर्य सहित गांव के कई सम्मानित महिला-पुरुष मौजूद थे। विधायक अशोक कुमार कोरी ने इस मौके पर दिव्यांगजनों के लिए एक विशेष योजना बनाने की बात कही। उन्होंने बताया कि बघौला में जितने भी दिव्यांग व्यक्ति हैं, उनके लिए एक अलग से बिजली कैंप लगाया जाएगा, ताकि उन्हें किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। विधायक ने प्रधान प्रतिनिधि अरविंद मौर्य की सक्रियता की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि अरविंद मौर्य गांव के हर नागरिक के लिए 24 घंटे काम करने को तैयार रहते हैं और हमेशा गांव के हित के बारे में सोचते हैं। वे विधायक फंड या मुख्यमंत्री फंड से होने वाले हर काम के लिए आग्रह करते रहते हैं। कोरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इन दोनों नेताओं का कोई निजी परिवार नहीं है, वे सिर्फ देश और हर गांव के बारे में सोचते हैं। ताकि हर योजना हर परिवार तक पहुंच सके। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरीदपुर गांव को आंगनबाड़ी, नाली और अन्य विकास कार्यों के लिए 20 लाख रुपये की राशि प्रदान की है। इस कार्यक्रम में वीडियो सलोन एवं आसपास के सभी ग्राम प्रधान व प्रतिनिधि गंगा विष्णु, जगदीश पासी, महादेव पासी, दिवाकर पाण्डेय, रिंकू पाण्डेय, नीलम निशंका, देशमती, रमेश पाल, रमाकांत पांडेय, कलावती, सीमा पाल, मंजू, सुरेंद्र कुमार, प्रवेश पासी, सुखेंद और इंदल यादव सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

समस्या है समाधान नहीं

चंपारण की चीनी मिलों के आसपास बचपन गुजारने के चलते उनके कचरे से निकलने वाली बास और राजनैतिक चर्चाओं की याद हमेशा के लिए मन में रह गई है। कई बार किसान मिल में गन्ना उतारकर खाली बैलगाड़ी में मिल का छोआ वाला कचरा उठा लाते थे और अपने खेत में खाद की तरह इस्तेमाल करते थे। इसकी दुर्गंध तो मिलों दूर से भी ज्यादा लगती थी और लोग कुछेक दिन उन खेतों की तरफ जाने से बचते थे। नेता लोग इसी छोआ अर्थात मोलासेज से केमिकल कारखाना लगवाने या शपेट्रोल बनानेश और बगास अर्थात गन्ने की सीठी से कागज बनाने का प्लांट लगवाने की बात करते थे। हमारे कुमारबाग में बेतिया राज की जमीन खाली थी। वहीं आसपास की चीनी मिलों से इन बाई–प्रॉडक्टों से स्वर्ग बसाने का वादा होता था जो आज तक पूरा नहीं हुआ। गन्ने से पेट्रोल बनाने की बात उन दिनों कचरे से सोना बनाने जैसी लगती थी पर बायो डीजल और बायो पेट्रोल का जमाना भी आया। हमारे यहां झटरोपा से तेल बनाने का प्रयोग चला तब तक अमेरिका ने मक्का और अन्य कृषि उत्पादों से बायो पेट्रोल बनाना शुरू करा दिया क्योंकि पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत बेतहाशा बढ़ने लगी और सौ डालर प्रति बैरल का रेट भी पीछे हो गया। ऐसे में मक्का वगैरह से पेट्रोल बनाना 75 डालर प्रति बैरल जितने रेट पर संभव हो तो कौन मानता? हमारे यहां भी झटरोपा वाला प्रयोग तभी हुआ और अनाज से तेल बनाने की चर्चा शुरू हुई। वह तो हुआ नहीं लेकिन नितिन गडकरी के परिवहन मंत्री बनने वाले राज में इसी छोआ अर्थात मोलासेज से पेट्रोल बनाने और पेट्रोल में मिलाकर बेचने का काम शुरू हुआ जो आज परवान पर है। यह काम सिर्फ गन्ना चीनी मिलों का न होकर सारे ब्रूअरीज(शराब कारखाने) के कचरे से होना शुरू हुआ है। करीब बीस फीसदी ब्लेन्डिंग के बिना पेट्रोल बिकता नहीं और कुछ पेट्रोल की खपत में बीस फीसदी का मतलब बहुत बड़ा हुआ। कीमत और विदेशी मुद्रा की बचत का हिसाब लगाएं तो और उजली तस्वीर दिखेगी पर जल्दी ही इस मामले में भी उत्पादन क्षमता जरूरत से ऊपर निकल जाएगी यह कल्पना से परे की चीज है। लेकिन आज यह स्थिति आ गई है। गन्ने के अलावा कुछ कृषि उत्पादों के इस्तेमाल की चर्चा भी है। लेकिन अमेरिका से जिस लटकी हुई व्यापार संधि को शसपनों का सौदाश बताया जा रहा है उसमें मक्के की कुछ खास किस्म के आयात की बात भी थी और माना जाता है कि इसका प्रयोग इथनाल बनाने में हो सकता है। वैसे भारत खुद भी बड़े पैमाने पर मक्का पैदा करने लगा है जो मुर्गीपालन और मछलीपालन समेत देश की पूरी जरूरत से ज्यादा ही है। ऐसे में अगर हम अभी ही इथनाल अपनी जरूरत से ज्यादा बनाने लगे हों तो अमेरिका से मक्का आयात करने का तर्क समझना मुश्किल है। अभी वह व्यापार समझौता हो, मक्का आयात हो उसका इस्तेमाल इथनाल बनाने में हो जैसे सारे लेकिन परंतु पर क्यों जाएं, अभी तो मौजूदा स्थिति ही इस कारोबार को परेशान करने वाली है। देश में इथनाल बनाने की कुल क्षमता 18 अरब लीटर की है जबकि पेट्रोलियम कंपनियां 11 से 12 अरब लीटर माल खरीदती हैं। देश में अब बिना इथनाल मिला पेट्रोल बिकता ही नहीं और मिलावट भी बीस फीसदी मात्रा तक है। इतना होने पर भी पूरा देशी इथनाल खपाने में परेशानी हो रही है। उधर तीन अरब लीटर और उत्पादन क्षमता इस साल बढ़ेगी। तब क्या होगा यही सोचकर व्यवसाय के लोग चिंतित हैं। यह सही है कि महंगे पेट्रोल के साथ बिकने से अच्छी कीमत वसूल होती है लेकिन खुद इथनाल की कीमतों और मांग आपूर्ति का हिसाब बहुत अनिश्चितता वाला है। सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों कंपनियां, इंडियन आयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम यह सारा माल खरीदकर तेल में मिलाकर बेचती हैं। अब हो यह रहा है कि पेट्रोल की खपत में तो मात्र छह फीसदी सालाना की वृद्धि है जबकि इथनाल उत्पादन की क्षमता ज्यादा रफ्तार से बढ़ रही है। अगर तीन अरब लीटर की क्षमता और बढ़ी तो यह वृद्धि 20 फीसदी हो जाएगी। फिर कीमतों और आपूर्ति का खेल एक अन्य स्तर पर जाएगा, अगर अमेरिकी मक्का भी इस खेल में शामिल हुआ तो क्या दृश्य होगा? यह कल्पना ही की जा सकती है और यह विकल्प भी नहीं है कि मिलावट को बीस फीसदी से बढ़ा दिया जाए। क्योंकि इथनाल की मिलावट से ईंधन की ऊर्जा का स्तर कम होता है–बीस फीसदी की मिलावट से यह गिरावट छह फीसदी की होती है और इसके खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाना भी हो चुका है। अभी तक अदालत ने ग्राहकों के दावे को दरकिनार रखा है। एक दूसरी शिकायत इस मिलावटी ईंधन का गाड़ी के इंजन पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की है। माना जाता है कि पिछले दिनों मिलावट की सीमा बढ़ाने पर भी विचार हुआ था ।

विदेश नीति को बदलते प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इतिहास में अपना नाम किन अक्षरों में दर्ज कराना चाहते हैं, ये तो पता नहीं, लेकिन भारत की विदेश नीति का जो गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास रहा है, उसे वो पूरी तरह मटियामेट करना चाहते हैं, यह साफ नजर आ रहा है। वैसे भी जब इतिहास की पूरी समझ न हो, या जानबूझकर इतिहास को नजरंदाज किया जाता है तो वर्तमान और भविष्य दोनों किस तरह खतरे में पड़ जाते हैं, इसका बड़ा उदाहरण नरेन्द्र मोदी की इजरायल यात्रा से मिल ही रहा है। महज दो दिनों के लिए मोदी इजरायल गए, लेकिन वहां जो कुछ उन्होंने कहा, उससे भारत की बरसों की मेहनत पर पानी फिर गया है। बुधवार को इजरायली संसद नेसेट में जिस तरह का भाषण प्रधानमंत्री मोदी ने दिया है, उसमें वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। क्योंकि इजरायल ने फिलीस्तीन में हमास को खत्म करने के नाम पर जो नरसंहार किया, उस पर दुनिया भर में चिंता जाहिर की जा रही है, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री ने इजरायली संसद में जाकर हमास की न केवल आलोचना की, बल्कि तीन साल पहले 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमले की तुलना भारत में मुंबई के आतंकी हमले से कर दी। माना कि दोनों में निर्दोष लोगों की ही जान गई, लेकिन सोचने वाली बात ये है कि नरेन्द्र मोदी को यूपीए सरकार में हुआ मुंबई हमला अगर याद आया तो खुद की सरकार में हुए पुलवामा और पहलगाम जैसे बड़े आतंकी हमलों को वो कैसे भूल गए। होता तो यही है कि इंसान को हाल की बात पहले याद आती है और पुरानी बात बाद में। लेकिन मोदीजी के साथ उल्टा ही हो रहा है। उन्हें अपने कार्यकाल का कुछ याद नहीं रहता, केवल कांग्रेस की सरकारों की बातें याद पड़ती हैं। अपने संबोधन में मोदी ने गजा शांति पहल को क्षेत्र में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की दिशा में एक रास्ता बताया। यानी सीधे–सीधे अमेरिका की तारीफ उन्होंने की। इसके साथ ही इजरायल के साथ एकजुटता का संदेश देते हुए कहा कि कहीं भी आतंकवाद शांति को हर जगह खतरे में डालता है। गौर कीजिए कि मोदी ने इजरायल की कुर्बानियों का जिक्र किया लेकिन गजा में मारे गए 70 हजार लोगों की हत्या और हमदर्दी के लिए एक शब्द नहीं कहा, वो कह भी नहीं सकते थे, क्योंकि उन्हें तो ट्रंप और नेतन्याहू से दोस्ती निभानी है। मोदी ने गजा नरसंहार को पूरी तरह नजरन्दाज किया, यहां तक तो ठीक है, लेकिन दुख इस बात का है कि अपने साथ–साथ उन्होंने पूरे देश की जनता को इजरायल के साथ खड़ा दिखाया। मोदी ने कहा, श्मैं भारत की जनता की ओर से हर खोई हुई जान के लिए गहरी संवेदना लेकर आया हूं और हर उस परिवार के लिए जिनका संसार 7 अक्टूबर 2023 को हमास के बर्बर आतंकवादी हमले में टूट गया। हम आपका दर्द महसूस करते हैं। हम आपका दुख साझा करते हैं। भारत इजरायल के साथ मजबूती से, पूरे विश्वास के साथ, इस पल में और उसके आगे भी खड़ा है। कोई भी कारण नागरिकों की हत्या को जायज नहीं ठहरा सकता। कुछ भी आतंकवाद को जायज नहीं ठहरा सकता।श कितने सुविधाजनक तरीके से मोदी ने गजा में नेतन्याहू के इजरायली आतंकवाद का जिक्र तक नहीं किया। जबकि खुद इजरायल की जनता अपनी सरकार के ऐसे बर्बर रवैये के खिलाफ है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मोदी के भाषण पर उन्हें इतिहास की याद दिलाते हुए नेहरू के इजरायल के निर्माण पर आइंस्टीन को लिखे पत्र में व्यक्त विचारों का हवाला दिया। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया– अप्रैल 1955 में आइंस्टीन के निधन से कुछ समय पहले, आइंस्टीन और नेहरू ने परमाणु विस्फोटों और हथियारों के मुद्दे पर पत्रों का आदान–प्रदान किया था।श नेहरू ने 11 जुलाई 1947 को आइंस्टीन को जवाब में लिखारू श्मैं मानता हूं कि जबकि मेरी यहूदियों के लिए बहुत अधिक हमदर्दी है, मुझे अरबों की दुर्दशा के लिए भी उतनी ही हमदर्दी है। किसी भी घटना में, पूरा मुद्दा दोनों पक्षों की ओर से उच्च भावना और गहरे जुनून का हो गया है।श नेहरू ने यहूदियों के नजरिए पर सवाल उठाते हुए कहारू श्मैंने फिलिस्तीन की इस समस्या पर अच्छा ध्यान दिया है और दोनों पक्षों द्वारा जारी की गई किताबों और पैम्फलेट्स को पढ़ा हैय फिर भी मैं यह नहीं कह सकता कि मैं इसके बारे में सब जानता हूं, या मैं क्या किया जाना चाहिए पर अंतिम राय देने के लिए सक्षम हूं। मुझे पता है कि यहूदियों ने फिलिस्तीन में एक अद्भुत काम किया है और वहां के लोगों के स्तर को ऊंचा उठाया है, लेकिन एक सवाल मुझे परेशान करता है। इन सभी उल्लेखनीय उपलब्धियों के बाद, वे अरबों की सद्भावना हासिल करने में क्यों विफल रहे? नेहरू ने लिखा–वे अरबों को अपनी इच्छा के विरुद्ध कुछ मांगों को मानने के लिए क्यों मजबूर करना चाहते हैं? नजरिए का तरीका ऐसा रहा है जो समझौते की ओर नहीं ले जाता, बल्कि संघर्ष की निरंतरता की ओर ले जाता है। मुझे कोई संदेह नहीं कि गलती एक पक्ष तक सीमित नहीं है बल्कि सभी ने गलती की है। मुख्य समस्या फिलिस्तीन में ब्रिटिश शासन की निरंतरता रही है। तो यहां जयराम रमेश ने इजरायल और फिलीस्तीन दोनों पर नेहरू जी के विचार बता दिए। गौरतलब है कि जर्मनी में हिटलर ने यहूदियों पर भीषण अत्याचार किया था, जिस पर सभी की सहानुभूति यहूदियों के साथ थी। लेकिन इजरायल में बस कर यहूदियों ने जिस तरह फिलीस्तीन के लोगों को उनके ही घर से बेदखल करने की लगातार कोशिश की और इसमें अमेरिका ने जैसे इजरायल को बढ़ावा दिया, भारत कभी भी उसके पक्ष में नहीं रहा। इसलिए इजरायल और फिलीस्तीन दोनों राष्ट्रों को भारत ने मान्यता दी, मगर इजरायल से एक दूरी बनाकर रखी, वहीं फिलीस्तीन के साथ नैतिकता के नाते भारत हमेशा खड़ा रहा। आज नरेन्द्र मोदी इस समीकरण को पूरी तरह बदल चुके हैं। राहुल गांधी ने इसका कारण बताया है। मोदी की यात्रा को एपस्टीन फाइल्स से जोड़ते हुए राहुल ने कहा कि मोदी की यात्रा किसके इशारे पर हो रही है और यह भारत के हितों के खिलाफ है। हालांकि भाजपा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नेसेट को संबोधित कर रहे हैं और सुदर्शन चक्र जैसी तकनीकों से भारत को मजबूत कर रहे हैं। लेकिन भारत इसमें मजबूत हो रहा है या अमेरिका के हाथों मजबूर हो रहा है, ये जल्द ही पता चल जाएगा।

पेंटागन ने ईरान के खिलाफ बड़े ऑप्रेशन के खतरे की चेतावनी दी

पेंटागन ईरान के खिलाफ लंबे मिलिट्री कैंपेन को लेकर प्रैसिडैंट ट्रम्प के सामने चिंता जता रहा है। उसने सलाह दी है कि जिन वॉर प्लान पर विचार किया जा रहा है, उनमें अमरीका और सहयोगी देशों के नुकसान, कमजोर एयर डिफैंस और जरूरत से ज्यादा फोर्स होने जैसे रिस्क हैं। मौजूदा और पुराने अधिकारियों ने कहा कि ये चेतावनियां ज्यादातर ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने डिफैंस डिपार्टमैंट में और नैशनल सिक्योरिटी काऊंसिल की मीटिंग्स के दौरान दी हैं लेकिन पेंटागन के दूसरे लीडर्स ने भी ऐसी ही चिंताएं जताई हैं।

ईरान पर हमलों के लिए जिन ऑप्शन पर विचार किया जा रहा है, उनमें शुरुआती सीमित हमलों से लेकर सरकार को गिराने के मकसद से कई दिनों तक हवाई कैंपेन चलाना शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि सभी ऑप्शन में रिस्क होता है लेकिन खास तौर पर लंबे कैंपेन से अमरीकी सेना और हथियारों के स्टॉक पर काफी खर्च आ सकता है, अगर ईरान जवाबी कार्रवाई कर पाता है, तो इससे रीजनल पार्टनर्स की सुरक्षा मुश्किल हो सकती है। अगर अमरीका बड़ी मात्रा में एयर–डिफैंस हथियारों और दूसरी चीजों का इस्तेमाल करता है, जिनकी आपूर्ति कम है, तो इससे चीन के साथ भविष्य में होने वाले संभावित झगड़े की तैयारियों पर भी असर पड़ सकता है। अमरीका ने 2003 के ईराक युद्ध के बाद से मिडल ईस्ट में सबसे ज्यादा एयर पावर इकट्ठी की है, जिसमें एक एयरक्राफ्ट–कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भी शामिल है। दूसरा कैरियर अब मेडिटेरेनियन में है। केन की चेतावनियों के बारे में मीडिया रिपोटर्स के बाद, ट्रम्प ने सोमवार को बाद में सोशल–मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट किया, ''जनरल केन, हम सब की तरह, जंग नहीं देखना चाहेंगे लेकिन अगर ईरान के खिलाफ मिलिट्री लैवल पर जाने का फैसला होता है, तो उनकी राय है कि यह आसानी से जीता जा सकेगा।''ट्रम्प प्रशासन अभी भी ईरान के साथ एक संभावित डील पर बातचीत कर रहा है, जिससे अमरीका को उम्मीद है कि तेहरान के न्यूक्लियर वैपन की तरफ जाने के रास्ते बंद हो जाएंगे, जिसे ईरानी नेताओं ने आगे बढ़ाने से मना कर दिया है, साथ ही उसके बैलिस्टिक–मिसाइल प्रोग्राम और हिजबुल्लाह और हमास जैसे रीजनल प्रॉक्सी मिलिशिया को उसके सपोर्ट पर रोक लगेगी। ईरान ने किसी भी अमरीकी हमले का जितना हो सके उतना कड़ा जवाब देने की धमकी दी है और सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने पिछले हफ्ते कहा था कि उनकी सेना एक अमरीकी युद्धपोत को डुबो सकती है। किसी भी मिलिट्री ऑप्रेशन में जोखिम होता है लेकिन ईरान के खिलाफ लगातार अभियान शायद ट्रम्प द्वारा शुरू किए गए सबसे जटिल और खतरनाक मिलिट्री ऑप्रेशनों में से एक होगा, जिसमें अमरीका को मिडल ईस्ट में एक बड़े युद्ध में खींचने की क्षमता है। अधिकारियों के मुताबिक, ईरान पर किसी भी हमले के दौरान, कई बार बमबारी करने पर अमरीकी पायलट ईरानी एयर डिफैंस के लिए असुरक्षित हो सकते हैं। ईरानी मिसाइलें मिडल ईस्ट में मौजूद अमरीकी सैनिकों के बेस को निशाना बना सकती हैं। ईरान अपनी मिसाइलों और ड्रोन से इसराईल में आबादी वाले सैंटर को भी निशाना बना सकता है, जैसा कि उसने पिछले जून में ईरान, इसराईल और अमरीका के बीच 12 दिन के युद्ध के दौरान किया था। कुछ अधिकारियों ने कहा कि अमरीका को उम्मीद है कि ईरान अपनी सरकार की रक्षा के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक देगा और अमरीका के पास ईरानी मिसाइल हमलों का मुकाबला करने के लिए सिर्फ 2 हफ्ते के लिए ही इंटरसैप्टर हैं, जिससे अमरीकी हथियारों के जखीरे में पैट्रियाट, थाड और एस.एम.–3 हथियारों का सीमित स्टॉक और कम हो जाएगा। हाल के हफ्तों में, अमरीका ने जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब, बहरीन और इसराईल को और थाड और पैट्रियाट एंटीमिसाइल सिस्टम भेजकर मिडल ईस्ट में अपने एयर डिफैंस को मजबूत करने की कोशिश की है। एक नेवी अधिकारी के मुताबिक, अमरीका ने ईरानी खतरों को मार गिराने के लिए मिडल ईस्ट और मेडिटेरेनियन के पानी में 13 गाइडेड–मिसाइल डिस्ट्रॉयर भी भेजे हैं। पिछले जून में जब अमरीका ने ईरानी मिसाइल हमलों से इसराईल को बचाने में मदद की थी, तो इस लड़ाई से अमरीकी इंटरसैप्टर सप्लाई में खतरनाक कमी का पता चला। पिछले साल वसंत में जब अमरीका ने यमन में ईरान के सपोर्ट वाले हूती विद्रोहियों के खिलाफ लगभग 2 महीने तक बमबारी की थी, तब भी हथियारों के स्टॉक पर दबाव था। अमरीका का सबसे बड़ा वॉरशिप फोर्ड पिछले जून से समुद्र में है और अब 11 महीने की तैनाती के लिए तैयार है, जो किसी अमरीकी वॉरशिप के सबसे लंबे लगातार मिशन का रिकॉर्ड तोड़ देगा। नाविकों पर बहुत ज्यादा काम का बोझ है और कुछ तो घर लौटने के बाद नेवी छोडने पर भी विचार कर रहे हैं। पहले भी बहुत ज्यादा काम करने वाले क्रू की वजह से गलतियां और हादसे हुए हैं।

ऑफिस का एसी बन सकता है आंखों का दुश्मन, डाई आई सिन्डोम का खतरा!

धीरे–धीरे मौसम बदल रहा है और गर्मी का एहसास भी

होने लगा है। ऑफिस में भी एयर कंडीशनर चलने लगी है। ज्यादातर लोग ऑफिस में लंबे समय तक ।ब में बैठने लगे हैं, तो इससे कई लोगों को आंखों में जलन, चुभन और सूखापन महसूस होने लगता है। वैसे यह समस्या काफी आम है, हालांकि इसे अक्सप नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। वरना आगे चलकर ड्राई आई सिंड्रोम की परेशानी होने लगती है। इसके पीछे कई वैज्ञानिक कारण भी हो सकते हैं, जिनको समझना काफी जरुरी है। आइए आपको बताते हैं एसी में घंटों बैठने से क्या होता है।

कमरे की नमी कम कर देता है कम

एसी चलने का सबसे अधिक असर कमरे की नमी पर दिखाई देता है। एयर कंडीशनर वातावरण की अतिरिक्त नमी को सोख लेता है, जिससे हवा शुष्क हो जाती है। जब हवा में नमी कम हो जाती है, तो आंखों की सतह पर मौजूद आंसुओं की परत जल्दी सूखने लगती है। यही आंसू आंखों को नमी प्रदान करते हैं और उन्हें सुरक्षित रखते हैं। इनके तेजी से सूख जाने पर आंखों में रूखापन, जलन और असहजता महसूस होने लगती है।

एसी वाले वातावरण में लगातार बैठने पर ठंडी और ड्राई हवा आंखों पर सीधे असर डालती है। खासकर अगर आप सीधे एसी के नीचे या वेंट के सामने बैठी हैं, तो हवा का प्रवाह आंखों की नमी को और भी तेजी से कम करता है। जिससे आपकी आंखों में जलन, रेडनेस और कभी–कभी धुंधला दिखना भी शुरु हो सकता है।

ज्यादा स्क्रीन टाइम करता है कंडीशन को खराब

यह समस्या ऑफिस में कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल स्क्रीन का लगातार इस्तेमाल से बढ़ सकता है। स्क्रीन देखते समय हमारी पलकें सामान्य से कम झपकती हैं, जिससे आंखों में आंसू बनने और फैलने की प्रक्रिया बाधित होती है। वहीं, एसी की सूखी हवा और कम ब्लिंक करना मिलकर आंखों को और भी ज्यादा ड्राई बना देता है, जिसके कारण से जलन और भारीपन महसूस हो सकता है।

बंद कमरों में एलर्जन का असर

आमतौर पर एसी वाले ऑफिस में हवा का नेचुरल सर्कुलेशन कम होता है। जिससे धूल, एलर्जन और छोटे कण हवा में घूमते रहते हैं, जो आंखों में जाकर जलन और खुजली उत्पन्न कर देते हैं। जिन लोगों को पहले से एलर्जी या ड्राई आई सिंड्रोम की समस्या होती है, उनके लिए यह स्थिति और ज्यादा परेशानी का कारण बन सकती है।

किन लोगों को खतरा रहता है

– लंबे समय तक स्क्रीन पर काम करने पर

– कॉन्टैक्ट लेंस यूजर्स

– एलर्जी व साइनस वाले लोग – पहले से ड्राई आई सिंड्रोम से परेशान लोग

– 30 उम्र के बाद महिलाएं (हार्मोनल कारणों से)

नजरअंदाज करने पर क्या हो सकता है?

यदि समय पर ध्यान न दिया जाए, तो यह समस्या आगे चलकर क्रॉनिक ड्राई आई सिंड्रोम का रूप ले सकती है। इसके कारण नजर धुंधली होने लगती है, आंखों में लगातार दर्द बना रह सकता है और तेज रोशनी से परेशानी बढ़ सकती है। साथ ही, आंखों में बार–बार संक्रमण होने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है।

किस तरह से पहचाने कि एसी आंखों को नुकसान पहुंचा रही है?

– ऑफिस में ज्यादा जलन, घर में कम

– आंखों में रेत जैसा एहसास

– स्क्रीन देखते समय भारीपन

– बार–बार आंखें मलने का मन करना

अब आयरन पिल्स की नहीं जरूरत,ये 3 चीजें बनाएंगी बांडी को फौलादी,आजमाएं ये घरेलू नुस्खे

शरीर में विटामिन, मिनरल और हार्मोन या अन्य चीज की कमी होने पर इसका सीधा असर बॉडी फंक्शन पर देखने को

मिलता है। वहीं इसके लक्षण भी साफ नजर आते हैं। शरीर में खून की कमी होने पर महिलाओं को कमजोरी और थकान महसूस होती है। आयरन एक जरूरी मिनरल है, जो हीमोग्लोबिन बनाने में मदद करता है। लेकिन जब शरीर में आयरन की कमी होती है, तो शरीर के अंगों तक सही से ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता है।

वहीं जब शरीर में हीमोग्लोबिन सही लेवल पर नहीं होता है, तो खून की कमी होती है। एनीमिया के लक्षणों को अक्सर महिलाओं द्वारा नजरअंदाज किया जाता है।

लेकिन लंबे समय तक शरीर में खून की कमी बनी रहती है, तो यह सही नहीं माना जाता है। खून की कमी को दूर करने के लिए आपको अपनी डाइट में आयरन रिच फूड्स शामिल करना चाहिए। डाइट में शामिल करें आयरन रिच फूड्स

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो शरीर में खून की कमी को दूर करने के लिए डाइट में आयरन से भरपूर चीजों को शामिल करना चाहिए। कद्दू के बीज, चुकंदर, मेथी दाने और दालों में भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है।

चुंकदर में विटामिन सी और आयरन भरपूर पाया जाता है। यह हीमोग्लोबिन लेवल बढ़ाने में मदद करती है और इसमें मौजूद विटामिन सी की वजह से आयरन शरीर के बेहतर तरीके से अब्जॉर्ब भी होता है।वहीं कद्दू के बीजों में फोलेट होता है, जोकि रेड ब्लड सेल्स के उत्पादन में मदद करते हैं।

शरीर में आयरन के अब्जॉर्बशन के लिए आपको डाइट में विटामिन सी रिच फूड्स शामिल करना चाहिए। आपको डाइट में ब्रॉकली, पपीता और अनार को शामिल करना चाहिए। अनार में आयरन के साथ विटामिन सी काफी मात्रा में पाया जाता है।

हेल्थी लाइफ के लिए क्यों जरूरी है ब्लड प्योरीफिकेशन

शरीर को हेल्दी रखने के लिए सभी अंगों का ठीक तरह से काम करते रहना जरूरी है। इसके लिए जरूरी है कि शरीर का हर अंग को पर्याप्त मात्रा में शुद्ध रक्त मिलता रहे। रक्त की शुद्धता का मतलब यह विषाक्तता से मुक्त रहे। डाइट में गड़बड़ी की वजह से समय के साथ ब्लड में कई विषाक्त पदार्थ मिल जाते हैं, जिससे शरीर के कई अंगों में विषाक्तता होने का खतरा हो सकता है। आमतौर पर लिवर और किडनी जैसे पाचन तंत्र के अंग स्वाभाविक रूप से ब्लड को निरंतर फिल्टर करते रहते हैं। लेकिन ज्यादा विषाक्तता की वजह यह प्रोसेस बाधित हो जाती है। इसके लिए जरूरी है कि हम अपना डाइट ठीक रखें और कुछ ऐसी चीजों का सेवन करें, जो रक्त से विषाक्तता को कम करने में सहायता करती हों। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि रक्त की अशुद्धि से किस तरह की समस्याओं का खतरा होता है और इसको कैसे दूर किया जा सकता है।खून साफ न होने के कारण होती हैं ये दिक्कतें डाइट में गड़बड़ी की वजह से ब्लड की अशुद्धि बढ़ जाती है। जिसका हमारी स्किन से लेकर शरीर के कई अंगों पर असर हो सकता है। खून साफ न होने की वजह से लिवर ठीक से काम नहीं कर पाता है। इसकी वजह से पाचन की समस्या बढ़ जाती है। इसके साथ ही मुंहासे–दाने और जलन बने रहना, स्किन में संक्रमण होना, चेहरे की चमक कम होना और थकान महसूस होना इस बात का संकेत हो सकता है कि आपका खून साफ नहीं है।

पंचकोशी पड़ाव पर लगने वाले पारंपरिक मेले का आज भव्य शुभारंभ किया गया

संवाददाता

सीतापुर। जनपद में चल रही पावन 84 कोसी परिक्रमा के अंतर्गत पंचकोशी पड़ाव पर लगने वाले पारंपरिक मेले का आज भव्य शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक रामकृष्ण भार्गव विशेष रूप से उपस्थित रहे। 18 तारीख से प्रारंभ हुई 84 कोसी परिक्रमा विभिन्न पड़ावों से होती हुई पंचकोशी के लिए मिश्रिख पहुंच चुकी है। परिक्रमा के आगमन के साथ ही कस्बा मिश्रिख में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है और परंपरागत मेले का आयोजन किया गया है।

उद्घाटन समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष सीमा भार्गव, सीतापुर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मुनेंद्र अवस्थी, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला सहित जिलाधिकारी राजागणपति आर0 भी मौजूद रहे। अतिथियों ने मेले का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि 84 कोसी परिक्रमा हमारी आस्था और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। प्रदेश सरकार श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं विधायक रामकृष्ण भार्गव ने श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि मिश्रिख की यह पावन धरती संत–महात्माओं की तपोभूमि रही है और मेले का आयोजन क्षेत्र की धार्मिक गरिमा को और बढ़ाता है।

मेले में सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल और स्वास्थ्य सेवाओं की समुचित व्यवस्था की गई है। प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

इंजीनियरिंग कॉलेज में वार्षिक खेलकूद, रंगोली शुरू

तीन दिवसीय आयोजन में छात्रों ने लिया हिस्सा

संवाददाता

बस्ती। भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद एवं रंगोली प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। यह आयोजन कॉलेज में पहली बार किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्घाटन आईजीएनआईटीई 2के26 के बैनर अनावरण और निदेशक प्रोफेसर कुलदीप सहाय द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस वार्षिक आयोजन में विभिन्न खेल जैसे दौड़, भाला फेंक, चक्का फेंक, लंबी कूद, ऊंची कूद, कबड्डी, वॉलीबॉल, खो–खो, रस्साकसी, बैडमिंटन और क्रिकेट शामिल हैं। इसके साथ ही, रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है। उद्घाटन के पहले दिन छात्र और प्राध्यापकों के बीच कबड्डी और क्रिकेट मैच खेले गए। 100 मीटर बालिका वर्ग की दौड़ में अनुष्का यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बालक वर्ग में दिनेश कोबरा विजेता रहे। बैडमिंटन प्रतियोगिता में आकाश राजपूत और रवि प्रकाश यादव ने आलोक गुप्ता, सुयश, आशीष, आकाश और संदीप यादव को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

खेल प्रभारी राजकुमार सिंह ने सभी छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें नवाचार, अनुशासन और समग्र विकास की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने तालियां बजाकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। संस्थान के निदेशक डॉ. कुलदीप सहाय ने बताया कि खेल प्रतियोगिताओं के साथ ही आइडिया पिचिंग, टेक क्विज, एल्गो वॉर्स, कोड वॉरियर्स और सर्किट्रिक्स जैसी तकनीकी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी तकनीकी दक्षता, नवाचार क्षमता और समस्या समाधान कौशल प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं। आईजीएनआईटीई 2के26 का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के साथ खेल, तकनीक और संस्कृति के माध्यम से छात्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है।

जेएनएमसी, एएमयू में उन्नत कॉर्नियल क्रॉस–लिंकिंग सुविधा प्रारम्भ

संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग में उन्नत कॉर्नियल कोलेजन क्रॉस–लिंकिंग (सी3आर,सीएक्सएल) सुविधा की शुरुआत की गई है। यह सुविधा केराटोकोनस से पीड़ित मरीजों के लिए नई उम्मीद लेकर आई है। केराटोकोनस कॉर्निया की एक बीमारी है, जिसका समय पर उपचार न होने पर गंभीर दृष्टि–दोष हो सकता है।

विभागाध्यक्ष प्रो. सिमी जका–उर–रब ने बताया कि यह तकनीक वर्तमान में भारत के सीमित चिकित्सा संस्थानों में उपलब्ध है और अब यह जेएनएमसी में अत्यंत किफायती शुल्क पर प्रदान की जा रही है, जिससे समाज के सभी वर्गों के मरीज आधुनिक उपचार का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने सलाह दी कि जिन युवाओं को बार–बार आंखों में एलर्जी, चश्मे का नंबर तेजी से बदलना या धुंधला दिखना जैसी समस्याएं हों, वे बीमारी की प्रगति रोकने के लिए शीघ्र जांच कराएं। उन्होंने बताया कि केराटोकोनस युवाओं में तेजी से देखा जा रहा है, विशेषकर एलर्जिक नेत्र रोग से पीड़ित मरीजों में। ऐसे लगभग 10–15 प्रतिशत मरीजों में कॉर्निया प्रभावित पाया जाता है। भारत में इसकी व्यापकता ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 2.3 प्रतिशत आंकी गई है। दीर्घकालिक एलर्जी, विटामिन–डी की कमी, आनुवंशिक प्रवृत्ति तथा अस्थमा और एक्जिमा जैसी एटोपिक स्थितियां इसके जोखिम को बढ़ाती हैं। प्रो. अदीब आलम खान ने बताया कि विभाग में सी3आर के साथ–साथ केराटोकोनस के समग्र उपचार की सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनमें उन्नत कॉर्नियल इमेजिंग, एआई आधारित डायग्नोस्टिक सॉफ्टवेयर तथा विशेष स्क्लेरल कॉन्टैक्ट लेंस सेवाएं शामिल हैं, जो रोग की जांच, निगरानी और दृष्टि पुनर्वास में सहायक हैं। डॉ. मोहम्मद साकिब ने कहा कि प्रारंभिक पहचान अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि आंखों को लगातार रगड़ना और एलर्जी का उपचार न कराना कॉर्निया के पतले होने और दृष्टि हानि को तेज कर सकता है। सी3आर प्रक्रिया में राइबोफ्लेविन और यूवी–ए प्रकाश का उपयोग कर कॉर्नियल फाइबर को मजबूत किया जाता है और रोग की प्रगति रोकी जाती है। अध्ययनों के अनुसार इसकी सफलता दर 90–95 प्रतिशत से अधिक है। परामर्श के लिए मरीज जेएनएमसी, एएमयू की आई ओपीडी में मंगलवार और बुधवार (21 ओपीडी) को संपर्क कर सकते हैं।

रमजान के दूसरे जुमे की नमाज, मस्जिदों में अदा हुई

उरई / जालौन। जालौन जिले के कोंच नगर में रमजान के दूसरे जुमे की नमाज शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे अदा की गई। नगर की प्रमुख मस्जिदों, जिनमें मस्जिद कुरैशियान, मस्जिद मंसूरान, मस्जिद काजियान, मस्जिद जीनतुल इस्लाम, आस्ताना–ए–कलंदरिया मरकज, जामा मस्जिद और तकिया खुर्रमशाह शामिल हैं, वहां बड़ी संख्या में नमाजियों ने शिरकत की। जुमे की नमाज के दौरान हाफिजों और इमामों ने रोजे की अहमियत बताते हुए लोगों को संयम, धैर्य और भाईचारे का संदेश दिया।

एएमयू में यूनानी चिकित्सा संकाय द्वारा एक्स्ट्राम्यूरल व्याख्यान का आयोजन

अलीगढ। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के यूनानी चिकित्सा संकाय द्वारा अजमल खान तिब्बिया कॉलेज के सभागार में एक्स्ट्राम्यूरल व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 200 स्नातकोत्तर शोधार्थियों, इंटर्न चिकित्सकों और शिक्षकगण ने भाग लिया। मुख्य व्याख्यान जेएन मेडिकल कॉलेज, एएमयू के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के प्रो. अतहर अंसारी ने प्रस्तुत किया। उन्होंने समकालीन सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए निवारक स्वास्थ्य सेवाओं, शोध नवाचार और सामुदायिक सहभागिता के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य क्षेत्र को केवल उपचार तक सीमित न रहकर जागरूकता, रोकथाम और अनुसंधान–आधारित हस्तक्षेपों पर भी समान रूप से ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए यूनानी चिकित्सा संकाय के डीन प्रो. एस. एम. सफदर अशरफ ने अपने समापन वक्तव्य में वक्ता के विद्वत्तापूर्ण व्याख्यान की सराहना की और विद्यार्थियों को ऐसे शैक्षणिक मंचों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समन्वय मनाफेउल अजा विभाग की डॉ. सबा जैदी ने किया। एक्स्ट्राम्यूरल लेक्चर श्रृंखला के संयोजक प्रो. मोहम्मद अनवर ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए अंतर्विषयक शिक्षण को बढ़ावा देने में शैक्षणिक संवादों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अजमल खान तिब्बिया कॉलेज के प्राचार्य प्रो. बदरुद्दुजा खान, प्रो. अमीना नाज, प्रो. अशर कदीर और डॉ. नाजिश सिद्दीकी भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन डॉ. सबा जैदी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

युवक को संदिग्ध परिस्थितियों में लगी गोली, इलाज के दौरान अस्पताल में हुई मौत

संवाददाता

बांदा। जनपद में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई। घटना गुरुवार को कमासिन थाना क्षेत्र के मवई गांव में हुई। युवक को बाईं जांघ में गोली लगी थी। पुलिस ने उसे तत्काल सीएचसी पहुंचाया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां देर रात उसकी मृत्यु हो गई।मृतक की पहचान दशरथ राजपूत (35) के रूप में हुई है। दशरथ ने गोली लगने के बाद अपने ससुर पर गोली मारने का आरोप लगाया था। कमासिन थाना इंस्पेक्टर भास्कर मिश्र ने इसकी पुष्टि की। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि बुधवार शाम दशरथ अपनी ससुराल लोहाई गांव निमंत्रण में गया था। वहां से वह अपनी पत्नी सपना को साथ लेकर अपने गांव मवई लौट आया था। रात में पति–पत्नी के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। सपना ने इसकी सूचना अपने पिता राकेश राजपूत को दी। गुरुवार सुबह सपना के पिता राकेश राजपूत मवई गांव पहुंचे और अपनी बेटी सपना को वापस अपने साथ ले गए। दशरथ और सपना की शादी को अभी एक साल ही हुआ था। घटना के समय दशरथ घर में अकेला था, क्योंकि उसके पिता शिवचंद्र खेत पर गए हुए थे। विवाद का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। दूसरी ओर, सपना के पिता राकेश राजपूत ने दामाद दशरथ पर पलटवार किया है। उन्होंने बताया कि दशरथ अक्सर उनकी बेटी सपना से झगड़ा करता था। बुधवार शाम भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। राकेश का आरोप है कि जब वह अपनी बेटी को वापस ले आए, तो दशरथ ने उन्हें फंसाने के लिए खुद को तमंचे से गोली मार ली। इस मामले में डीएसपी सौरभ सिंह ने बताया कि एक व्यक्ति के पैर में गोली लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

कफ सिरप मामले में दो गिरफ्तार, की थी दो करोड़ की अवैध खरीद फरोख्त

संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी पुलिस ने कोडिन युक्त कफ सिरप की अवैध खरीद–बिक्री के मामले में रू0 25000 के इनामी बदमाश समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने साथ मिलकर फर्जी व कूट रचित जीएसटी बिल और ई वे बिल का प्रयोग करके शैली ट्रेडर्स के माध्यम से भारी मात्रा में यह खरीद–बिक्री की थी।

पुलिस ने ढूंढ राज पुलिया के पास टेंगरा मोड़ से मनोज कुमार यादव जिसके ऊपर रू0 25000 का इनाम था और लक्ष्य यादव को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि मामले के मुख्य सरगना शुभम जायसवाल के पिता भोला प्रसाद जायसवाल की फर्म शैली ट्रेडर्स के माध्यम से दोनों ने अवैध रूप से करीब 2 करोड रुपए की न्यू फैंसीडील कफ सिरप की खरीद–बिक्री की थी।पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने शैली ट्रेडर्स रांची (झारखंड) के प्रोपराइटर भोला प्रसाद जायसवाल और शुभम जायसवाल की फार्म से 1,26,000 सीसी खरीदी थी। आरोपियों ने पुलिस को पूछताछ में बताया है कि कफ सिरप को वाराणसी स्थित सप्तसागर दवा मंडी में सप्लाई किया जाना था, लेकिन उसकी तस्करी कर उसे बाहर भेज दिया जाता था। इसके लिए फर्जी बिल काटा जाता था। आरोपियों ने बताया कि इसकी तस्करी कब और कैसे की जानी है यह सारी बातें सीक्रेट रखी जाती थी, जिसकी जानकारी शुभम जायसवाल, दिवेश जायसवाल, अमित जायसवाल समेत कुछ लोगों को ही होती थी। आरोपियों ने पुलिस को बताया है कि इस अवैध धंधे की वजह से उन्होंने पांच जगह प्रॉपर्टी खरीदी, जिनकी कीमत करीब 3 करोड़ रुपए है। फिलहाल, पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर विस्तृत पूछताछ में जुटी हुई है। इसके साथ ही फरार शुभम जायसवाल की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

पुलिस ने चोरी के तीन वांछित अभियुक्तों को पकड़ा

संवाददाता

बस्ती। बस्ती पुलिस ने चोरी के एक मामले में वांछित तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। मुण्डेरवा थाना पुलिस ने मोहित चौधरी, राजू उर्फ राजा चौधरी और रोहित चौधरी को 27 फरवरी 2026 को दोपहर करीब 1.55 बजे खमोखर गांव से पकड़ा। इन पर दुकान से इनवर्टर, कपड़े और कॉस्मेटिक सामान चोरी करने का आरोप है। यह गिरफ्तारी 25 फरवरी 2026 को दर्ज एक शिकायत के आधार पर हुई है। शिकायतकर्ता ने थाना मुण्डेरवा में बताया था कि उनकी दुकान से इनवर्टर, कपड़े और कॉस्मेटिक का सामान चोरी हो गया था। जब शिकायतकर्ता को चोरी का पता चला और उन्होंने आरोपी रोहित से शिकायत की, तो रोहित ने उन्हें पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी थी। इस संबंध में मु0अ0सं0 43/2026 धारा 331(4), 305(), 352,351(3), ठछै के तहत मामला दर्ज किया गया था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। अभियुक्तों की पहचान मोहित चौधरी पुत्र स्व. रामवीर (25 वर्ष), राजू उर्फ राजा चौधरी पुत्र राम बहोर (28 वर्ष) और रोहित चौधरी पुत्र स्व. रामवीर (30 वर्ष) के रूप में हुई है। ये सभी खमोखर गांव, थाना मुण्डेरवा, बस्ती के निवासी हैं। पुलिस ने उनके पास से एक प्लास्टिक का खिलौना पिस्टल बरामद किया। अभियुक्तों की निशानदेही पर इचड़वा पुल के पास से चोरी हुई एक इनवर्टर की बैटरी भी बरामद की गई है। बरामद किए गए सामान में एक इनवर्टर की बैटरी और एक खिलौना पिस्टल शामिल है।

धधकती चिताओं के बीच तांत्रिक व अघोरियों ने खेली गयी भस्म की होली

संवाददाता

वाराणसी। देशभर में होली का पर्व 4 मार्च को मनाया जाना है। धर्म की नगरी काशी में शुक्रवार को रंगभरी एकादशी से होली के महापर्व की शुरूआत हो गई है। वाराणसी में बाबा श्री काशी विश्वनाथ के गौना के साथ शुरू हुए होली के पर्व में भूत, पिशाच के साथ तांत्रिक और अघोरियों की होली विश्व प्रसिद्ध है। काशी के हरिश्चंद्र घाट स्थित महाश्मशान घाट पर धधकती हुई चिताओं के बीच अघोरी और तांत्रिकों ने चिताओं के भस्म से होली खेली। होली के इस इस अद्भुत नजारे को देखने और इसमें शामिल होने के लिए देश ही नहीं बल्कि विदेशों से सैलानी पहुंचे। भूत पिशाच के रूप में सजे कलाकारों के साथ चिताओं के बीच अघोरी और तांत्रिकों की होली की एक झलक पाने के लिए सैलानी बेहद आतुर दिखे। सभी इस अनोखे पल को अपने कैमरे में कैद करते दिखे। चिताओं के भस्म की होली का खुमार खासकर युवा पीढ़ी पर देखने को मिला ।काशी के महाश्मशान हरिश्चंद्र घाट पर विश्व की सबसे अनोखी होली में शामिल होने के लिए पहुंचे विदेशी सैलानी होली के गीत पर जमकर डांस किया। होली खेले मसाने गीत बजते ही कलाकारों के साथ विदेशी सैलानी और युवतियों ने घाट पर डांस किया। काशी में होने वाली विश्व प्रसिद्ध मसाने की होली को लेकर आयोजक कपाली महाराज ने बताया कि मसाने की होली काशी में तांत्रिक और अघोरी सदियों से मनाते चले आ रहे है। हरिश्चंद्र घाट पर करीब 1987 से पहले मसाने की होली की शुरूआत हुई। पहले यह बेहद ही स्मित सीमित संसाधनों की वजह से मात्र कुछ तांत्रिक और अघोरियों के द्वारा मनाया जाता लेकिन बीते कुछ वर्षों में इसमें बड़ी संख्या में युवा आने लगे है ।काशी के महाश्मशान घाट पर जलती हुई चिताओं के पास भस्म की होली में शामिल होने पटना, मध्यप्रदेश, दिल्ली और कोलकाता सहित देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे सैलानियों में उत्साह और अचंभा देखने को मिला। सैलानियों ने बताया कि बीते कुछ सालों से सोशल मीडिया और न्यूज के माध्यम से श्मशान घाट पर होली की खबरों को देखा, लेकिन विश्वास नहीं हुआ कि काशी में कोई जलती हुई चिताओं के बीच चिताओं के राख से होली खेलता है, लेकिन केवल बनारस शहर में आकार यह विश्वास हुआ कि यह खबर बिल्कुल सत्य है और यही वजह है कि काशी को अद्भुत नगरी कहा जाता है। कोलकाता से आई सैलानी ने बताया कि इस अद्भुत नजारे को देखने के लिए वह विशेष रूप से वाराणसी पहुंची हुई है और जो नजारा उन्होंने देखा उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ। वहीं ऑस्ट्रेलिया से सैलानी ने कहा कि उन्होंने होली कई स्थान पर देखा है, विगत वर्ष वह होली में शामिल होने के लिए वृंदावन में थे और इस बार वाराणसी में है। बनारस की मसाने की होली बेहद हो अनोखी और सबसे अलग है।

रंगभरी एकादशी पर होगा गौरा का गौना, अघोर रुप में ससुराल पहुँचे महादेव

रूद्राक्ष–कांरूगाली धारण कर गणों संग गौरा सदनिका पहुंचे बाबा, ठंडई के भोग से हुआ स्वागत

संवाददाता

वाराणसी। काशी की जीवंत लोकपरंपरा में रंगभरी एकादशी का पर्व केवल तिथि नहीं, बल्कि शिव–गौरा के दांपत्य मिलन का अनुपम उत्सव है। इसी क्रम में गौना आयोजन की तृतीय निशा भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रही। गुरुवार सायंकाल महादेव रूद्राक्ष और कांरूगाली धारण कर अघोर स्वरूप में गणों संग गौरा सदनिका (ससुराल) पहुंचे तो टेढ़ीनीम स्थित महंत आवास 'हर–हर महादेव' के घोष से गूंज उठा।

गौरा का गौना मंगलवार शुक्रवार को रंगभरी एकादशी के पावन अवसर पर सम्पन्न होगा। उसी दिन वैदिक मंत्रों और लोकरीति के मध्य गौना संस्कार का मुख्य अनुष्ठान संपन्न किया जाएगा। तृतीय निशा का मुख्य आकर्षण रहा महादेव का अघोर स्वरूप। रूद्राक्ष की मालाओं और कांरूगाली से अलंकृत बाबा की चल प्रतिमा जब गौरा सदनिका पहुंची तो श्रद्धालुओं ने भावविभोर होकर स्वागत किया। कुशा से निर्मित पवित्र मंडप में वेद मंत्रों के बीच महादेव को विराजमान कराया गया। पंचमेवा और विजया मिश्रित ठंडई का भोग अर्पित हुआ। काशी की परंपरा में यह ठंडई केवल प्रसाद नहीं, बल्कि उत्सव और आनंद का प्रतीक मानी जाती है। ससुराल में बाबा के इस आत्मीय आगमन ने लोक और शास्त्र की परंपराओं को एक सूत्र में बांध दिया। काशी के 51 प्रमुख मंदिरों के प्रतिनिधित्व में महंत लिंगिया शिव प्रसाद पाण्डेय ने महादेव और गणों की विधिवत आरती उतारी। उनके साथ महंत वाचस्पति तिवारी ने परंपरागत पूजन सम्पन्न कराया। यह दृश्य काशी की सामूहिक आस्था का अद्भुत उदाहरण बना, जहां विभिन्न मंदिर परंपराएं एक साथ बाबा के ससुराल आगमन की साक्षी बनीं ।दोपहर से ही गौरा सदनिका पर पांच वैदिक ब्राह्मणों ने चार दिवसीय अनुष्ठान के क्रम में पूजन कराया। वेद मंत्रों की ध्वनि से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा ।सायंकाल काशी की महिलाओं ने महादेवदृगौरा की प्रतिमा का पूजन कर अटल सुहाग का आशीर्वाद मांगा। 'गोरी के सुंदर बनावा...', 'सुकुमारी गौरा कइसे कैलास चढ़िहें...', 'गौरा गोदी में लेके गणेश विदा होइहैं ससुरारी...' जैसे मंगलगीतों ने आयोजन को लोकभावना से ओतप्रोत कर दिया ।हर थाल में दीप जले, हर कंठ में भक्ति का स्वर था। यह केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि काशी की आत्मा का उत्सव प्रतीत हुआ ।आयोजन समिति ने स्पष्ट किया है कि गौरा का मुख्य गौना संस्कार शुक्रवार को रंगभरी एकादशी पर सम्पन्न होगा। उसी दिन गौरा के प्रतीकात्मक विदाई और दांपत्य मिलन का वैदिक एवं लोकाचार सम्मिलित अनुष्ठान होगा ।श्री काशी विश्वनाथ मंदिर की परंपरा के अनुरूप बाबा विश्वनाथ माता गौरा संग रंगभरी एकादशी पर भक्तों को दर्शन देंगे। इस अवसर पर पालकी अनुष्ठान और विशेष श्रृंगार का आयोजन भी किया जाएगा ।श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इस दिन गौना दर्शन से दांपत्य जीवन में सुख, समृद्धि और अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। गौना आयोजन की तृतीय निशा में महादेव का अघोर भाव और गौरा का सौम्य श्रृंगार एक साथ दृष्टिगोचर हुआ। एक ओर रूद्राक्ष और कांरूगाली से सुसज्जित रौद्र स्वरूप, तो दूसरी ओर मंगल श्रृंगार से अलंकृत गौरा यह दृश्य शिवदृशक्ति के सनातन संतुलन का प्रतीक बना। काशी की लोकसंस्कृति में यह आयोजन केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि पारिवारिक आत्मीयता का उत्सव है, जहां देवता भी परिवार के सदस्य की तरह ससुराल आते हैं और काशीवासी उनके आतिथ्य का सौभाग्य पाते हैं ।शिव बारात समिति ने आयोजन के दौरान काशीवासियों की ओर से विशेष प्रार्थना की कि बाबा विश्वनाथ का नियमित और सुगम दर्शन सभी श्रद्धालुओं को सहज रूप से प्राप्त हो ।समिति पदाधिकारियों ने कहा कि काशी की आत्मा बाबा में बसती है। अतः मंदिर में ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे स्थानीय श्रद्धालुओं और दूर–दराज से आने वाले भक्तों को बिना कठिनाई दर्शन का अवसर मिल सके ।समिति ने प्रशासन और मंदिर प्रबंधन से समुचित व्यवस्था बनाए रखने का आग्रह करते हुए यह भी कामना की कि बाबा की कृपा से काशी में सुखदृशांति और समृद्धि बनी रहे। रंगभरी एकादशी की प्रतीक्षा में काशी का जनमानस उत्साहित है। शुक्रवार को जब गौरा का गौना सम्पन्न होगा, तब काशी एक बार फिर शिवदृशक्ति के दिव्य मिलन की साक्षी बनेगी।

टी 20 विश्व कप में अर्शदीप सिंह कहर, बोले–बुमराह और सिराज से सीख रहा हूं बोलिंग का गुरुमंत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि वह परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने और बल्लेबाजों पर हावी होने के लिए अब भी अपने

सीनियर साथियों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज से सीख ले रहे हैं। अर्शदीप ने यहां टी20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा तथा केवल 24 रन देकर तीन विकेट लिए।

मैं सबसे युवा हूं– अर्शदीप

भारत की 72 रन से जीत के बाद अर्शदीप ने पत्रकारों से कहा, ''मैं अपने गेंदबाजी समूह में सबसे युवा हूं। टीम मुझ पर भरोसा दिखाती है। अगर आपको पावर प्ले में दो ओवर फेंकने का मौका मिलता है तो विकेट लेने की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि उस समय बल्लेबाज रन बनाने के लिए जोखिम भरे शॉट खेलने की कोशिश करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं (गेंदबाजी कोच) मोर्ने (मोर्कल) के साथ इस पर काम कर रहा हूं कि मैं कैसे सक्रिय रह सकता हूं। मैं कैसे बल्लेबाजों पर हावी हो सकता हूं, परिस्थितियों के अनुसार खुद को कैसे ढाल सकता हूं और अपने खेल में कैसे बदलाव ला सकता हूं। मेरा साथ देने के लिए मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक (पंड्या) भाई जैसे बहुत अच्छे गेंदबाजी सहयोगी हैं।'' अर्शदीप से पूछा गया कि क्या 256 रन के विशाल स्कोर बनाने से गेंदबाजों को मदद मिली, उन्होंने कहा, ''हम इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे थे कि हमने कितने रन बनाए।

हम बस अपनी रणनीति के अनुसार गेंदबाजी करना चाहते थे और अपने स्तर को बनाए रखना चाहते थे। हम हमेशा एक लक्ष्य को ध्यान में रखते हैं, जैसे कि विकेट और मैदान की स्थिति के अनुसार 160 या 180 रन का स्कोर।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए हम हमेशा एक गेंदबाजी इकाई के रूप में अपने स्तर को ऊंचा उठाने की कोशिश करते हैं। अतिरिक्त 20, 30, 40, 70 रन का फायदा होना अच्छी बात है। लेकिन हमारा ध्यान एक गेंदबाजी इकाई के रूप में अपने स्तर को ऊपर उठाने पर होता है।''

वेस्टइंडीज के साथ नॉकआउट मुकाबला होगा

भारत अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए एक मार्च को कोलकाता में दो बार के चौंपियन वेस्टइंडीज का सामना करेगा, जो एक तरह से नॉकआउट मुकाबला होगा। अर्शदीप जानते हैं कि उनके सामने आगे क्या चुनौती है। उन्होंने कहा, ''वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया। इसलिए मुझे लगता है कि वे भी स्थिति के अनुसार खुद को ढाल सकते हैं, लेकिन हम विकेट और परिस्थितियों को देखकर अपनी रणनीति बनाएंगे।''

46 मजिस्ट्रेट तैनात, होलिका दहन और होली शांतिपूर्ण संपन्न कराने की तैयारी

संवाददाता

कुशीनगर। कुशीनगर में होलिका दहन 2 मार्च और होली 4 मार्च को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए कुशीनगर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। त्योहार के मद्देनजर जनपद में विशेष निगरानी व्यवस्था लागू की गई है और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिलाधिकारी ने जिले को सुपर जोनल, जोनल और सेक्टर स्तर पर विभाजित करते हुए अधिकारियों की तैनाती की है। अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा को कसया, हाटा और तमकुहीराज तहसील क्षेत्र का सुपर जोनल मजिस्ट्रेट बनाया गया है। पडरौना, खड्डा और कप्तानगंज तहसील क्षेत्र की जिम्मेदारी अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रेम कुमार राय को सौंपी गई है। जनपद की छह तहसीलों के उप जिलाधिकारियों को उनके क्षेत्रों का जोनल मजिस्ट्रेट नामित किया गया है। कुल 38 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं, जिनमें तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारी शामिल हैं। इनकी ड्यूटी पुलिस चौकियों, प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर लगाई गई है। इसके अतिरिक्त दो जोनल और छह सेक्टर मजिस्ट्रेट रिजर्व में रखे गए हैं। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहने और कानून–व्यवस्था पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में तुरंत पुलिस अधीक्षक और उच्चाधिकारियों को सूचित करने को कहा गया है। संबंधित एसडीएम और थाना प्रभारी के साथ समन्वय कर स्थिति नियंत्रित की जाएगी। जनपद में धारा 163 लागू कर दी गई है, जिसका सख्ती से पालन कराया जाएगा। 2 से 4 मार्च तक सभी मजिस्ट्रेट अपने–अपने थाना और चौकी क्षेत्रों में तैनात रहेंगे। कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। हेल्पलाइन नंबर 05564–240590 जारी किया गया है। सहायक आयुक्त (सहकारिता) नीरज कुमार गौड़ और जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक कुमार प्रियदर्शी को कंट्रोल रूम की जिम्मेदारी दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि त्योहार सकुशल संपन्न होने तक सभी अधिकारी मुस्तैदी से ड्यूटी पर तैनात रहेंगे और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अभिषेक शर्मा का रक्षात्मक खेल देखकर हैरान हूँ, सुनील गावस्कर ने की युवा बल्लेबाज की प्रशंसा, साथ ही दी बड़ी चेतावनी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने टी20 विश्व कप में अभिषेक शर्मा की वापसी की सराहना

की है, लेकिन उनके बल्लेबाजी के नए अंदाज ने पूर्व कप्तान को अचंभे में डाल दिया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच में अभिषेक की 55 रनों की पारी ने न केवल भारत को जीत दिलाई, बल्कि आलोचकों को भी करारा जवाब दिया है। अभिषेक इस टूर्नामेंट के दौरान अस्वस्थ भी रहे और तीन मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाए। उन्होंने हालांकि जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत की 72 रन की जीत में 30 गेंदों में 55 रन बनाकर फॉर्म में वापसी का संकेत दिया। गावस्कर ने जियोस्टार सेकहा, ''हम जानते हैं कि अभिषेक शर्मा कितने अच्छे बल्लेबाज। जिम्बाब्वे के खिलाफ 55 रन की इस पारी से उन्होंने अपने आलोचकों को चुप करा दिया।'' उन्होंने कहा, ''अभिषेक ने अपना स्वाभाविक खेल खेलने से पहले कुछ समय लिया। उनकी बल्लेबाजी में एक तरीका था। उन्होंने ऑफ स्पिनर का सम्मान किया, किसी भी तरह का जोखिम नहीं लिया तथा शांत और संयमित तरीके से खेले।'' गावस्कर ने कहा, ''इस मैच में उन्होंने वास्तव में रक्षात्मक शॉट खेले। उन्होंने कुछ गेंद को रोका भी। मुझे यह देखकर हैरानी हुई क्योंकि हम आमतौर पर अभिषेक को ऐसा करते नहीं देखते हैं।''इस दिग्गज बल्लेबाज ने कहा कि अभिषेक के लिए यह एक सीखने का दौर है। गावस्कर ने कहा, ''मुझे सच में लगता है कि यह उसके लिए सीखने का एक अच्छा मौका है। हर क्रिकेटर लगातार दो मैचों में रन न बना पाने के दौर से गुजरता है। बात सिर्फ इतनी है कि आप इससे कितना सीखते हैं। मुझे लगता है कि अभिषेक ने बहुत कुछ सीखा है और यह उसके लिए कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले में अच्छा साबित होगा।'' गावस्कर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ करारी हार के बाद भारतीय टीम ने जल्द ही सबक लिया तथा दाएं और बाएं हाथ के बल्लेबाजी संयोजन को सुनिश्चित करने के लिए संजू सैमसन को शीर्ष क्रम में वापस लेकर आया। उन्होंने कहा, ''कहते हैं कि जब तक कोई चीज खराब ना हो तो उसे ठीक करने की क्या जरूरत है। लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत बुरी तरह हार गया था। इससे उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें शीर्ष क्रम में दाएं–बाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन की जरूरत है। पिछले मैच से सबक लेना बहुत महत्वपूर्ण था।'' गावस्कर ने कहा कि रविवार को कोलकाता में होने वाले एक तरह के नॉकआउट मुकाबले में भारत को वेस्टइंडीज की आक्रामक बल्लेबाजी से सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा, ''वेस्टइंडीज अलग तरह की चुनौती है।

छात्रों ने आंचलिक विज्ञान केन्द्र लखनऊ का किया भ्रमण

आंचलिक विज्ञान केंद्र में बच्चों ने खेल–खेल में सीखी विज्ञान की बारीकियां

संवाददाता

बहराइच। परिषदीय विद्यालयों में शैक्षिक परिवेश कों बेहतर बनाने व बच्चों की विद्यालय में रूचि पैदा करने के उद्देश्य से सरकारी स्तर पर तमाम प्रयास किये जा रहे है। इसी क्रम में बीआरसी नवाबगंज से रवाना हुए शैक्षिक भ्रमण दल को बीईओ राधेश्याम वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एआरपी शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि शैक्षिक भ्रमण हेतु बच्चों का चयन राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत आयोजित ब्लॉक स्तरीय विज्ञान क्विज प्रतियोगिता में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त बच्चों में से किया गया। उन्होंने बताया कि उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों में जिज्ञासा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने,बच्चों में मनोवैज्ञानिक मनोवृत्ति का विकास करने तथा विद्यालयों में विज्ञान एवं

प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत इस भ्रमण का आयोजन कराया गया। आंचलिक विज्ञान केंद्र में बच्चों ने सरल प्रयोगों के माध्यम से वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझा। बीईओ नवाबगंज राधेश्याम वर्मा ने कहा कि ऐसी यात्रा से बच्चे किताबी तनाव से मुक्त होते है तथा तरोंताजा होकर फिर से पढ़ाई में जुटते है। इसके अलावा तथ्यों कों वह किताब में देखते है उन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखने से उनकी रूचि भी जागृत होती है। वह तथ्यों कों आसानी से समझ भी पाते है।बच्चों ने विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक प्रयोगों को स्वम् करके अपना ज्ञानवर्धन किया। इस मौके पर कार्टीशन गोताखोर,अपना भार जानिए, हीरो की टरबाइन, केल्टन चक्र, घूमती गेंद, 3डी शो, जल हमारा जीवन, चलती गेंद, गहराई से संदेश, जादू का नल, वायु में तैरती गेंद, उत्तोलक, पदार्थों का अद्भुत संसार, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, विलुप्त हो चुके प्राणियों के टैटू, मनोरंजक विज्ञान दीर्घा, एअरप्वॉइंट पिस्टल, फन मिरर, रोटेटिंग फेस, स्ट्रिंग्लेस पियानो, स्नेक पेंडुलम आर्यन थ्रो को छूकर, प्रयोग करके, देख कर बच्चे प्रफुल्लित हुए।

शैक्षिक भ्रमण के सफल संचालन में अरविन्द वर्मा, विनोद गिरि, सरवन वर्मा, अरुणरेंद्र सिंह,अजय मिश्रा, निधि पोद्दार, रंजू वर्मा, नवनीत प्रेमी, जीतेन्द्र वर्मा, प्राची शर्मा,रीतू पटेल,अविनाश चंद व कमलेश कुमार, विनोद सरोज नें सहभाग किया।

खेत गयी महिला तेंदुए के हमले से घायल

संवाददाता

बहराइच। बहराइच जिले के कतर्नियाघाट रेंज अंतर्गत ग्राम पंचायत चहलवा के सिरसियन पुरवा गांव में शुक्रवार की दोपहर को एक तेंदुआ जंगल से निकल कर खेत में घुस गया। गांव निवासी ललिता देवी 55 पत्नी रामनाथ पाल अपने खेत में मवेशियों के लिए चारा लेने गई थी तभी खेत में छिपे तेंदुए ने उसपर हमला कर दिया। हमले में महिला लहूलुहान हो गई जिसे परिवार के लोग आनन–फानन में इलाज के लिए पीएचसी सुजौली ले गए जहां से महिला को सीएचसी मिहीपुरवा रेफर कर दिया गया।

घटना के बाद तेंदुआ खेत में ही छिपा था ग्रामीणों के हाका लगाने के बाद वह जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने घटना की सूचना वन विभाग को दी है।

छेड़छाड़ के आरोपी मेडिकल संचालक की पुलिस अभिरक्षा में मौत

संवाददाता

बहराइच। बहराइच में पुलिस अभिरक्षा में नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी की मौत हो गई। जिसके कारण परिजनों में हड़कंप मच गया । जानकारी के अनुसार आरोपी राकेश चंद्र श्रीवास्तव उर्फ गोपाल (55)को रामगांव थाना पुलिस ने हिरासत में लिया था। इस मामले में उच्चाधिकारियों के आदेश पर थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। देहात कोतवाल को मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। आरोपी रामगांव थाना क्षेत्र के गोविंदपुर चौराहे पर मेडिकल स्टोर चलाता था । गुरुवार को शाम करीब 6 बजे थानाध्यक्ष गुरुसेन सिंह और सिपाही पवन सिंह सहित आधा दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी उन्हें दुकान से पकड़कर थाने ले गए थे। करीब तीन घंटे बाद रात नौ बजे थाना प्रभारी ने परिजनों को गोपाल की तबियत खराब होने की

सूचना दी। जब मृतक का बेटा और भतीजा आयुष थाने पहुंचे, तो गोपाल बेसुध पड़े थे। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। उनकी सांसे थम चुकी थी । जैसे ही इस बात की सूचना इलाके में पहुंची तो लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई । सभी ने थाने में मारपीट के दौरान उनकी मौत की बात कही।सूचना पर देर रात पुलिस क्षेत्राधिकारी पवन सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे । उन्होंने बताया कि मृतक के खिलाफ इलाके के ही रहने वाले एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज कराया था । इसी को लेकर पुलिस ने उन्हें थाने बुलाया था। तबियत खराब होने पर परिजनों के साथ उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया था।परिजनोंकेआरोप पर थाना प्रभारी समेत अन्य पुलिस कर्मियों पर मॉब लीचिंग की धारा 103/2 में मुकदमा दर्जकर किया गया है। देहात कोतवाल दद्दन सिंह पूरे मामले की जांच करेंगे।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

नीति आयोग ने डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को किया सम्मानित

राष्ट्रीय स्तर पर गूंजी खीरी की गूंज, संपूर्णता अभियान में दोहरी उपलब्धि

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। विकास की दौड़ में लखीमपुर खीरी ने ऐसा

परचम लहराया कि राष्ट्रीय पटल पर उसकी गूंज सुनाई दी। जुलाई से सितंबर 2024 के बीच चले संपूर्णता अभियान में जिले के बांकेगंज और धौरहरा ब्लॉक ने प्रदर्शन की नई इबारत लिख दी। उत्कृष्ट कार्य के लिए नीति आयोग ने डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।बांकेगंज ब्लॉक ने 'हेल्थ एंड न्यूट्रिशन', 'एग्रीकल्चर एंड अलाइड सर्विसेज' और 'एस्पिरेशनल ब्लॉक्स प्रोग्राम के तहत सोशल डेवलपमेंट' थीम में तीन प्रमुख इंडिकेटर्स पर शत–प्रतिशत सैचुरेशन हासिल कर प्रशासनिक चुस्ती का परिचय दिया। जमीनी निगरानी, विभागों के बीच बेहतर तालमेल और तय समयसीमा में लक्ष्य पूरा करने की रणनीति ने ब्लॉक को मॉडल बना दिया। धौरहरारू आधा दर्जन इंडिकेटर्स पर कमाल धौरहरा ब्लॉक ने तो रफ्तार को और तेज कर दिया। यहां छह इंडिकेटर्स पर सैचुरेशन हासिल कर विकास के पैमाने पर नई लकीर खींच दी गई। स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर पहुंच, पोषण सुधार की ठोस पहल और कृषि योजनाओं के लाभार्थियों तक सीधी पहुंच ने नतीजे को असरदार बनाया। संपूर्णता अभियान के तहत किए गए इस प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि जब प्रशासनिक इच्छाशक्ति और टीमवर्क साथ हो, तो लक्ष्य सिर्फ कागजों तक सीमित नहीं रहते, जमीन पर उतरते हैं। जिले में इस उपलब्धि को विकास की नई उड़ान के रूप में देखा जा रहा है। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट का माहौल खास रहा। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सीडीओ अभिषेक कुमार की मौजूदगी में बांकेगंज के बीडीओ ऋषिकांत अहिरवार और धौरहरा के तत्कालीन बीडीओ सुमित कुमार सिंह (वर्तमान में बीडीओ फूलबेहड़) को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच डीएम ने साफ कहा कि यह सम्मान किसी एक अधिकारी का नहीं, बल्कि उस पूरी टीम का है जिसने लक्ष्य को मिशन बना लिया।उन्होंने अधिकारियोंसे कहा कि संपूर्णता अभियान ने यह साबित कर दिया है कि यदि प्लानिंग सटीक हो, मॉनिटरिंग लगातार हो और टीम में समन्वय हो, तो मुश्किल से मुश्किल लक्ष्य भी तय समय में हासिल किए जा सकते हैं। इस दौरान सीडीओ अभिषेक कुमार की प्रशंसा करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि उनकी कुशल नेतृत्व क्षमता और विभागों के बीच समन्वय ने अभियान को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। उनकी मेहनत और दृष्टिकोण ने टीम को हमेशा प्रेरित रखा।

भव्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन,578 मरीजों का हुआ पंजीकरण

संवाददाता

बहराइच। बहराइच जिले के विकास खंड जरवल के प्राथमिक विद्यालय तपेसिपाह परिसर में आयोजित स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जरवल के अधीक्षक ने संयुक्त रूप से किया। यह आयोजन स्वास्थ्य विभाग, मोबियस फाउंडेशन और पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। मुख्य चिकित्सा अधिकारी संजय कुमार ने कहा कि बाल विवाह न केवल एक सामाजिक कुरीति है, बल्कि यह मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा भी है। कम उम्र में विवाह और गर्भधारण से एनीमिया, कुपोषण और प्रसव जटिलताओं का जोखिम बढ़ जाता है। आयोजित स्वास्थ्य मेले में कुल 578 लाभार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 447 लोगों ने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का प्रत्यक्ष लाभ लिया। 227 लोगों को निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। नेत्र जांच शिविर में 46 लोगों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 30 में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए और 6 लाभार्थियों ने ऑपरेशन के लिए सहमति दी। 74 लोगों को परिवार नियोजन संबंधी परामर्श दिया गया, जबकि 16 लाभार्थियों ने अस्थायी साधनों का उपयोग शुरू किया। सामुदायिक स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले 26 स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और 22 परिवार नियोजन लाभार्थियों को सम्मानित किया गया।इसके साथ ही आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 32 नए आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाए गए।

किशोरियों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी परामर्श प्रदान करते हुए 33 सैनिटरी पैड वितरित किए गए। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष राना ने कहा कि स्वस्थ और सशक्त परिवार के निर्माण में नियोजित मातृत्व की अहम भूमिका है। उन्होंने बताया कि अस्थायी एवं स्थायी दोनों प्रकार के साधन सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों पर निःशुल्क उपलब्ध हैं।

दंपतियों को सही समय पर परामर्श और सेवाएं मिलें, इसके लिए सीएचसी पर परिवार नियोजन परामर्श केंद्र की स्थापना भी की गई है।इस अवसर पर डॉ. प्रशांत कुमार (नेत्र सर्जन), जनपदीय एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. निर्मेश श्रीवास्तव, आरबीएसके मैनेजर गोविंद रावत, मोबियस फाउंडेशन के राज्य प्रतिनिधि प्रभात कुमार तथा पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया से वरुण शर्मा, डॉ. शोभा और हिना मेहरोत्रा व ग्राम प्रधान उमेश प्रताप गुप्ता, विद्यालय के प्रधानाचार्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विशेष आकर्षण के रूप में राज्य स्तरीय लोक नृत्य कलाकारों ने परिवार नियोजन, बाल विवाह निषेध और स्वास्थ्य जागरूकता विषयों पर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी, जिसने उपस्थित ग्रामीणों को मनोरंजन के साथ संदेश भी दिया।

बीडीओ सो रहे थे, बाहर उनकी 2 कारें फूंकी, गेट बंद करके वारदात, छत पर चढ़कर चिल्लाए

संवाददाता

कुशीनगर। कुशीनगर में ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर (बीडीओ) को गुरुवार रात कुछ युवकों ने उनके ही मकान में बंद कर दिया। उनकी सरकारी बोलेरो कार और निजी कार वैगन–आर को आग लगा दी। आग की ऊंची लपटें देखकर आसपास के लोग घरों से बाहर आ गए। चीख पुकार मच गई। करीब 45 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। नेबुआ नौरंगिया विकासखंड के बीडीओ रामखेलावन राम ने बताया– वे कारों को पार्क करके किराए के मकान में सो रहे थे। देर रात मकान के बाहर उन्हें हलचल महसूस हुई। बाहर निकलकर देखना चाहा तो पाया कि मेन गेट की कुंडी बाहर से बंद थी। दौड़कर छत पर पहुंचे तो देखा आग की लपटें उठ रही थीं। छत से मदद की गुहार लगाई। आवाज लगाकर लोगों से दरवाजा खोलने को कहा। पुलिस को सूचना दी। मामला जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर और तहसील मुख्यालय से सटे कुटवा गांव का है। रामखेलावन राम मूलरूप से बनारस के रहने वाले हैं। पिछले एक साल से कुशीनगर के नेबुआ नौरंगिया विकासखंड में तैनात हैं और कुटवा गांव में जगदीश लाल श्रीवास्तव के मकान में अकेले किराए पर रहते हैं। बीडीओ ने बताया गुरुवार रात वे जिला मुख्यालय से बैठक कर लौटे। करीब 10 बजे सो गए। रात में 12 बजे अचानक बाहर हलचल महसूस हुई। उठकर देखा तो मकान का मेन दरवाजा किसी ने बाहर से लॉक कर दिया था। छत पर पहुंचकर देखा तो कारें आग का गोला बन चुकी थीं। सूचना मिलते ही नेबुआ नौरंगिया थाना प्रभारी चंद्रभूषण प्रजापति पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

अब आपको मेरे पति से मिलवाते हैं..विजय संग शादी के बाद रश्मिका का पहला पोस्ट, लंबा–चौड़ा नोट लिख जाहिर की फीलिंग्स

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना आखिर कार एक्टर विजय देवरकोंडा की दुल्हन बन गई हैं। एक्ट्रेस ने 26 जनवरी को उदयपुर के आईटीसी मेमेंटोस में विजय देवरकोंडा संग तेलुगू रीति रिवाजों से शादी रचाई। शादी के बाद एक्टर ने अपनी पत्नी के लिए पहला पोस्ट शेयर करते हुए कई तस्वीरें साझा की थी। वहीं, अब विजय के बाद रश्मिका मंदाना ने भी पहला पोस्ट शेयर किया है, जो इंटरनेट पर आते ही छा गया है।रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शादी की कई तस्वीरें शेयर करते हुए एक लंबा–चौड़ा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने अपने दिल की बात कही। रश्मिका ने लिखा– हाय मेरे प्यारों, अब आपसे "मेरे पति" को मिलवाते हैं! मिस्टर विजय देवरकोंडा!! वो आदमी जिसने मुझे सिखाया कि सच्चा प्यार कैसा होता है, वो आदमी जिसने मुझे दिखाया कि शांति

में रहना कैसा होता है! वो आदमी जिसने मुझे हर दिन कहा कि बड़े सपने देखना बिल्कुल ठीक है और लगातार मुझसे कहा कि मैं उससे कहीं ज्यादा हासिल कर सकती हूं जितना मैं सोच भी नहीं सकती! आगे उन्होंने लिखा– वो आदमी जिसने मुझे कभी ऐसे नाचने से नहीं रोका जैसे कोई देख नहीं रहा हो..वो आदमी जिसने मुझे सिखाया कि दोस्तों के साथ घूमना सबसे अच्छी चीज है, और यकीन मानिए मैं इस आदमी पर एक किताब लिख सकती हूँ! मैं वो औरत बन गई हूँ जिसका मैंने हमेशा सपना देखा था, क्योंकि तुमने उसे वो बनाया जो वो आज है! मैं सच में खुशकिस्मत हूँ! रश्मिका ने आखिर में लिखा– विज्जू, तुम्हारे लिए मेरी फीलिंग्स बताने के लिए मेरे पास हमेशा शब्द कम पड़ जाते हैं!! मैंने हमेशा तुमसे यही कहा है!! लेकिन तुम्हें पता है अचानक मेरी सारी अचीवमेंट्स, स्ट्रगल्स, खुशी, दुख, आनंद, जिंदगी – सब कुछ अब बहुत ज्यादा समझ में आने लगा है–ऐसा इसलिए है क्योंकि मेरे पास तुम हो– यह सब देख रहे हो.. इस सब का सबसे बड़ा हिस्सा हो! मैं तुम्हारी पत्नी बनने के लिए बहुत बहुत बहुत बहुत बहुत एक्साइटेड हूँ! तुम्हारी पत्नी बनने के लिए! तुम्हारी पत्नी कहलाने के लिए!! अब पूरी पार्टी का टाइम है!! चलो साथ में सबसे अच्छी जिंदगी बिताते हैं! मैं तुमसे प्यार करती हूँ! फैंस रश्मिका के इस पोस्ट को खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट सेक्शन में नई शुरुआत के लिए जमकर बधाइयां दे रहे हैं। बता दें कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा बीते 6 साल से साथ हैं। दोनों को कई बार एक साथ वेकेशन एंजॉय करते देखा गया, लेकिन कपल ने कभी भी अपने प्यार का इजहार नही किया और 26 फरवरी को शादी के बंधन में बंधकर सबको सरप्राइज कर दिया।

दही या फिर छाछ का सेवन करना बेहद जरूरी

गर्मी के बढ़ते हुए प्रकोप से बचने के लिए जहां कुछ लोग दही का सेवन करते हैं तो वहीं कुछ लोगों को छाछ पीना पसंद होता है। दही हो या फिर छाछ, दोनों चीजों में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व शरीर को ठंडक पहुंचाने में मददगार साबित हो सकते हैं। दही या फिर छाछ का सेवन करने की वजह से

डिहाइड्रेशन के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि इन दोनों में से सेहत के लिए कौन सा ऑप्शन ज्यादा फायदेमंद साबित होगा।

आयुर्वेद के मुताबिक छाछ दही की तुलना में लाइट वेट होती है। पेट को ठंडा रखने के लिए और गर्मियों में लू से बचने के लिए औषधीय गुणों से भरपूर छाछ का सेवन किया जा सकता है। अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी छाछ को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। छाछ पीकर आप अपनी बॉडी को हाइड्रेटेड रख पाएंगे। दही में कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन बी12 समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। दही को गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। अगर आप कब्ज, एसिडिटी और गैस जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो दही का सेवन करना ज्यादा बेहतर साबित हो सकता है।

इसके अलावा इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए भी दही को कंज्यूम किया जा सकता है। आप स्वास्थ्य लाभों के हिसाब से डिसाइड कर सकते हैं कि आपकी सेहत के लिए दही का सेवन करना ज्यादा फायदेमंद साबित होगा या फिर छाछ पीना। आयुर्वेद के मुताबिक दही या फिर छाछ को दोपहर में पीना चाहिए और रात के समय कंज्यूम करने से परहेज करना चाहिए। हालांकि, बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से दही या फिर छाछ का सेवन करना बेहद जरूरी है।

बिन शादी के मां बनना चाहती हैं सलमान खान की ये हीरोइन, फ्रीज करवाए एग्स, बोलीं– जब चाहूं मां बन सकती हूं

सलमान खान की एक्ट्रेस डेजी शाह अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। डेजी 41 की उम्र में भी कुंवारी हैं। इसी बीच उन्होंने अपने मां बनने और शादी को लेकर खुलासा किया। एक्ट्रेस ने अपने स्टेटमेंट से फैंस को हैरान कर दिया। हाल ही में डेजी शाह ने कहा कि उन्होने शादी और बच्चों वाली पूरी जिम्मेदारी भगवान पर छोड़ दी है। उन्होंने खुलकर बताया

कि मैंने अपने एग्स फ्रीज करवा लिए हैं, इसलिए जब चाहूं मां बन सकती हूं। मेरा अपना बच्चा हो सकता है। 41 वर्षीय एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने भविष्य को ध्यान में रखते हुए एग फ्रीजिंग का विकल्प चुना है। उनके मुताबिक ये फैसला किसी दबाव में नहीं बल्कि अपने जीवन की योजना को लेकर लिया गया है। डेजी का कहना है कि अब उनके पास ये स्वतंत्रता है कि वो सही समय आने पर मां बनने का फैसला कर सकती हैं। शादी को लेकर एक्ट्रेस ने कहा वो इसे जीवन की अनिवार्यता नहीं मानतीं और इसे भगवान पर छोड़ चुकी हैं। उनके मुताबिक, एक महिला की पहचान या मातृत्व केवल शादी से जुड़ा होना जरूरी नहीं है। बातचीत के दौरान डेजी शाह ने बताया कि उन्होंने जीवन में जिन चीजों का सपना देखा था– अपना घर, परिवार को बेहतर जीवन और पालतू जानवर–वो सब हासिल कर चुकी हैं। यही वजह है कि वह अपने जीवन के वर्तमान चरण को शांत और संतोषभरा मानती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो डेजी शाह ने सलमान खान की फिल्म जय हो में किया किया है। इससे पहले वो मशहूर कोरियोग्राफर गणेश आचार्य की टीम में थीं और डांसर थीं। इसके अलावा वो कई गानों में बतौर बैकग्राउंड डांसर भी नजर आ चुकी हैं।

शिरडी जाने के लिए आप कई तरह की सुविधाओं का आनंद ले सकते हैं

आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप शिरडी कैसे जाएं। माना जाता है कि शिरडी साईं बाबा की धरती है, जहां पर साईं ने अपने चमत्कारों से लोगों को विस्मृत कर दिया था। साईं बाबा की जीवन शिरडी में बीता और वहां पर उन्होंने कई लोक कल्याणकारी कार्य किए हैं।

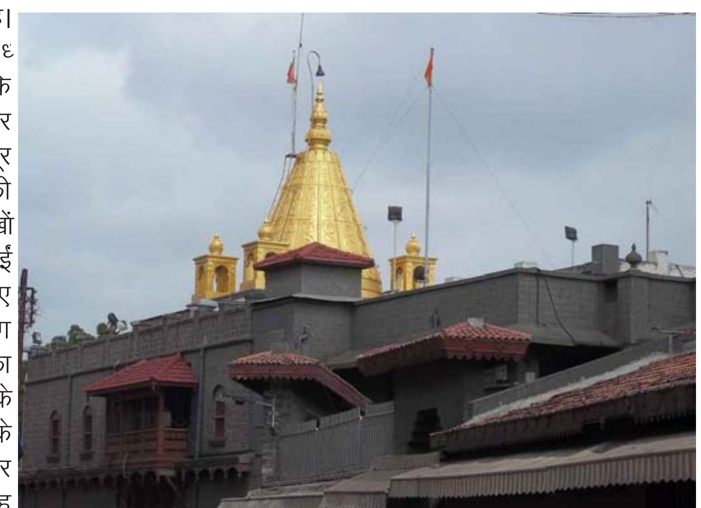

शिरडी एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जोकि महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में स्थित है। दूर–दूर तक शिरडी के साईं की प्रसिद्धि है। हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु साईं बाबा के दर्शन के लिए आते हैं। वहीं जो लोग पहली बार शिरडी जाने का प्लान कर रहे होते हैं, उनके दिमाग में तरह–तरह के सवाल आते हैं। ऐसे में अगर आपके जहन में भी यह सवाल आ रहे हैं कि कैसे जाएं, कहां रुकें तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप शिरडी कैसे जाएं। माना जाता है कि शिरडी साईं बाबा की धरती है, जहां पर साईं ने अपने चमत्कारों से लोगों को विस्मृत कर दिया था। साईं बाबा की जीवन शिरडी में बीता और वहां पर उन्होंने कई लोक कल्याणकारी कार्य किए हैं। शिरडी में साईं बाबा का एक विशाल मंदिर है। धार्मिक मान्यता है कि चाहे गरीब हो या अमीर, साईं बाबा के दर्शन करने वाला कोई भी शख्स कभी खाली हाथ नहीं लौटता है। मंदिर में दर्शन करने मात्र से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। साईं बाबा के दर्शन मात्र से लोगों के कष्ट दूर हो जाते हैं। इस पावन धाम में साईं बाबा का एक विशाल मंदिर है, जिसको विश्व के अमीर मंदिरों में से एक माना जाता है। माना जाता है कि इस मंदिर से कई बड़े चमत्कार जुड़े हुए हैं। इन चमत्कारों को सुनने के बाद हर कोई यहां खिंचा चला आता है।बता दें कि शिरडी जाने के लिए आप कई तरह की सुविधाओं का आनंद ले सकते हैं। आप चाहें तो वायुमार्ग, सड़क मार्ग और ट्रेन तीनों से ही आ सकते हैं। वहीं आप रेलवे स्टेशन या फिर एयरपोर्ट ये टैक्सी या कैब आदि कर सकते हैं। जोकि आपको सीधे साईं मंदिर ले जाएंगी। वहीं साईं मंदिर से एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन दोनों ही 10–12 किमी दूर है। वहीं अगर आप ट्रेन से आ रहे हैं, तो कोपरगांव उतरें। लेकिन अगर फ्लाइट से आ रहे हैं, तो शिरडी एयरपोर्ट उतरें।

आपको शिरडी में रुकने के लिए एक से बढ़कर एक जगह मिल जाएगी। यहां पर रुकने के लिए आपको कई होटल मिल जाएंगे। वहीं यहां कई संस्थानों की ओर से कई धाम बनाए गए हैं, जहां पर एडवांस बुकिंग करवाकर आप यहां पर आराम से रुक सकते हैं। आप यहां पर साईं धाम और होटल दोनों जगहों में से कहीं भी रुक सकते हैं। आप चाहें तो साईं बाबा संस्थान की बुकिंग ऑनलाइन करवाकर जाएं। यहां पर रुकने के लिए बुकिंग सुविधा उपलब्ध है।

वैसे तो आप कभी भी साईं बाबा के दर्शन के लिए प्लान बना सकते हैं। लेकिन धार्मिक स्थल होने की वजह से अक्सर यहां पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है। खासकर गर्मियों में यहां पर काफी भीड़ देखने को मिलती है। बता दें कि अगर आप शिरडी जाने का प्लान कर रहे हैं, तो अक्तूबर से मार्च यहां आने का अच्छा समय है।

आप इस दौरान आकर साईं बाबा के दर्शन कर सकते हैं। इसके अलावा सोमवार और शुक्रवार को भी मंदिर में कम भीड़ होती है। वहीं हर गुरुवार को यहां पर साईं बाबा की पालकी निकलती है। इस दिन मंदिर में काफी भीड़ होती है।

एक अच्छे दिन की शुरुआत अच्छी आदतों के साथ

एक अच्छे दिन की शुरुआत एक अच्छी सुबह से होनी चहिए और एक अच्छी सुबह की शुरुआत कुछ अच्छी आदतों के साथ। सुबह की कुछ आदतों को अपनाकर हमारे लिए अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना आसान हो सकता है। जैसे ही आप जागते हैं, आप जो भी निर्णय लेते या सोचते हैं वह आपके मस्तिष्क की इच्छाशक्ति के भंडार में समाहित हो जाता है। तो आइए जानते हैं कुछ ऐसी आदतों के बारे में जिन्हें आप सुबह उठने के तुरंत बाद की दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं।

अक्सर लोग मोबाइल में अलार्म सेट करते हैं फिर सुबह उसे बंद करके दोबारा सो जाते हैं। यह दिनचर्या को अनियमित करता है इससे बचने के लिए मोबाइल के बजाय अलार्म घड़ी का इस्तेमाल करना बेहतर है। अपनी अलार्म घड़ी को आप बिस्तर से दूर रखें क्योंकि आपको इसे बंद करने के लिए बिस्तर से उठना होगा। सुबह उठते समय बाईं या दाईं करवट लेकर उठें। इससे कमर को बेवजह पड़ने वाले दबाव से बचाया जा सकता है।

सुबह–सवेरे पहले एक–दो मिनट उठने के बाद कुछ देर बिस्तर पर बैठे रहें ताकि शरीर रिलैक्स हो सके। हड़बड़ाकर जल्दबाजी में उठने से बचें। पूरे शरीर में सही रक्त संचार होने दें, हर बार जब हम अपने फोन को चेक करते हैं, विशेष रूप से लंबे समय तक दूर रहने के बाद, जैसे सुबह सोकर उठने के बाद, तो हम तनाव को अपने मस्तिष्क में आमंत्रित करते हैं। फोन में रोजमर्रा से जुड़े बहुत सारे तनाव के कारण हैं जैसे समाचार सूचनाएं, बैंक–खाते की शेष राशि और टेक्स्ट जो तुरंत हमारा ध्यान खींचते हैं। इससे हमारे कुछ मिनट कई बार घंटे में बदल जाते हैं। इसलिए हमें कम से कम सुबह के पहले घंटे में फोन के इस्तेमाल से बचना चाहिए।

उठते ही काम करने के लिए दौड़ने के बजाय जागने के बाद कम से कम 5 मिनट के लिए बिस्तर पर बैठें। आंखें बंद कर शरीर और दिमाग को आराम देने के लिए ध्यान लगाने की कोशिश करें। 5 मिनट बाद अपनी हथेलियों को रगड़कर 3 बार आंखों पर लगाएं और फिर बिस्तर से उठें, सुबह उठते ही पैर सीधे जमीन पर नहीं रखना चाहिए, क्योंकि जब हम सोते है तो अपने पैरों को चादर या रजाई से ढककर सोते हैं। इसके कारण पूरे शरीर की गर्मी बढ़ जाती है। पैर भी गर्म हो जाते हैं, ऐसे में यदि हम सुबह गर्म पैर एकदम ठंडी जमीन पर रख देंगे तो सेहत को नुकसान हो सकता है। सुबह की शुरुआत के लिए घर में सूरज की रोशनी के आने से सकारात्मक ऊर्जा मन में आती है। इसलिए सुबह बिस्तर से उठने के बाद खिड़कियों के पर्दे खोल दें, बिस्तर से उठने के बाद आंखों और चेहरे पर ठंडे पानी के छींटे मारें। इससे आपकी आंखों और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद मिलेगी। यह चेहरे को मुंहासों से भी बचाता है।

हम सभी जानते हैं कि पूरे दिन हाइड्रेटेड रहने के लिए पानी आवश्यक है। इसलिए सुबह खाली पेट एक–दो गिलास पानी पीना इस पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है। ऐसा करने से पेट ठीक रहता है, त्वचा में चमक आती है। यह एसिडिटी और कब्ज से भी राहत देता है। सुबह–सुबह हमारे शरीर में जकड़न महसूस होती है। शरीर को जकड़न मुक्त कर मांसपेशियों को लचीला बनाने के लिए सुबह उठने के बाद 1 से 2 मिनट स्ट्रेचिंग वाले व्यायाम करना चाहिए। इससे तनावग्रस्त मसल्स को आराम पहुंचता है एवं रक्तसंचार सही रहता है। अगर शरीर में कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं है तो बिस्तर से उठकर जमीन पर खड़े होने के बाद 1 मिनट तक अपनी जगह पर खड़े होकर हल्का–फुल्का कूद भी सकते हैं।

अमरूद के पत्तों से मिलते हैं ये फायदे

अमरूद का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं अमरुद के पत्तों भी आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर होते हैं। अमरुद के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनिरल्स होते हैं जो समग्र स्वास्थ्य का समर्थन कर सकते हैं।

ऐसे में चलिए जानते हैं अमरुद का सेवन करने से सेहत को कौन से फायदे होते हैं और इसका इस्तेमाल कैसे करें, पाचन होता है बेहतर अमरूद के पत्ते एसिडिटी को कम करके और पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण को बढ़ावा देकर दस्त और सूजन जैसी पाचन समस्याओं में मदद कर सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है मजबूतरू अमरूद के पत्तों में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट के उच्च स्तर प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

स्किन से जुड़ी परेशानियां होती हैं दूररू अमरूद के पत्तों का उपयोग उनके विरोधी भड़काऊ और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण मुँहासे, काले

धब्बे और उम्र बढ़ने के संकेतों सहित विभिन्न त्वचा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए किया जा सकता है। दांतों के लिए फायदेमंद अमरूद के पत्तों को चबाने से दांत दर्द और मसूड़ों की समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें मौजूद जीवाणुरोधी गुण मसूड़ों की बीमारी, दांत दर्द और सांसों की बदबू को रोकने में मदद करते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारीरू अमरूद के पत्ते खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके और संभावित रूप से रक्तचाप विनियमन का समर्थन करके हृदय स्वास्थ्य में योगदान दे सकते हैं। रक्त शर्करा नियंत्रण अमरूद के पत्ते रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, संभावित रूप से मधुमेह वाले व्यक्तियों या जोखिम वाले लोगों को लाभ पहुंचा सकते हैं। पीरियड्स के दर्द में फायदेमंद अमरूद के पत्ते मासिक धर्म में ऐंठन के लिए भी लाभ प्रदान कर सकते हैं, संभावित रूप से दर्द की तीव्रता को कम करने के साथ–साथ वजन घटाने में भी सहायता कर सकते हैं। ताजे या सूखे अमरूद के पत्तों को 5–10 मिनट तक पानी में उबालें फिर उसे छानकर पिएं। आप स्वाद के लिए शहद या नींबू मिला सकते हैं। अमरूद के पत्तों को पानी में उबालकर ठंडा होने दें। शैम्पू करने के बाद ठंडे पानी से बालों को धोएँ, इससे बाल मजबूत होंगे और बालों का झड़ना कम होगा। आराम और सुगंधित स्नान के लिए अपने नहाने के पानी में अमरूद के पत्ते डालें।

अमरूद के फल के फायदे तो हम में से कई लोग जानते हैं लेकिन शायद आप इस तथ्य से अब तक अनजान होंगे कि अमरूद की पत्तियां (ळनंअं स्मंअमे) भी बहुत फायदेमंद होती हैं।

आपको बता दें कि अमरूद की पत्तियों में कई ऐसे औषधीय गुण पाए जाते हैं जो आपके सेहत के लिए फायदेमंद हैं। कोलेस्ट्रॉल लेवल अमरूद के पत्ते इन सभी का रामबाण इलाज हैं. तो चलिए जानते हैं अमरूद की पत्तियों से होने वाले हेल्थ बेनिफिट्स के बारे मे।

कई रिसर्च बताती हैं कि अगर आप तीन महीने तक अमरूद के पत्तों की चाय पीते हैं तो इससे एलडीएलध खराब कोलेस्ट्रॉल में कमी आ सकती है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। अमरूद के पत्ते कॉम्प्लेक्स स्टार्च को शुगर में कन्वर्ट होने से रोककर वजन घटाने में मदद करते हैं. अमरूद के पत्ते कार्बोहाइड्रेट की गति को कम करते हैं जिससे आपको अपना वजन कम करने में मदद मिल सकती है। अगर आप अपना मोटापा कम करना चाहते हैं तो अमरूद की पत्तियां और अमरुद दोनों आपके लिए फायदेमंद हैं।

अमरूद के पत्ते दस्त के लिए हर्बल औषधि हैं. दस्त का इलाज करने के लिए आपको 30 ग्राम अमरूद के पत्तों को एक ग्लास पानी में मुट्ठी भर चावल के आटे में उबालना होगा और इस घोल को दिन में दो बार पीना होगा। पेचिश के लिए, बस अमरूद के पौधे की जड़ों और पत्तियों को काटकर 90 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 15 मिनट तक उबालें. पानी को छान लें और कम मात्रा में पिएं। याकुल्ट सेंट्रल इंस्टीट्यूट, जापान में की गई रिसर्च के अनुसार, अमरूद के पत्तों से बनी चाय अल्फा–ग्लूकोसाइडेज एंजाइम एक्टिविटी को कम करके डाइबिटीज मरीजों में ब्लड शुगर को प्रभावी ढंग से कम कर सकती है. इसके अलावा ये बॉडी में सुक्रोज और माल्टोज के एब्जॉर्प्शन को रोकता है. इस तरह ब्लड शुगर लेवल को अमरूद के पत्तों की मदद से कम किया जा सकता है। अगर आप 10–12 हफ्तों तक अमरूद की पत्ती वाली चाय पीते हैं तो ये इंसुलिन के प्रोडक्शन को बढ़ाए बिना ब्लड शुगर लेवल को कम कर सकता है।

अमरूद के पत्ते पोषक तत्वों के साथ–साथ एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होते हैं और इस चलते सुंदर बालों के विकास को बढ़ावा देने में मदद करते हैं. अगर आप अमरूद के पत्तों को अपने बालों पर लगाते हैं तो ये उन्हें मुलायम और चमकदार बना देंगे और इनके इस्तेमाल से सिर पर बाल भी बढ़ जाएंगे। मुहांसों और काले धब्बों की समस्या वाले लोगों के लिए अमरूद के पत्ते बहुत उपयोगी होते हैं. ये पिंपल्स और ब्लैक स्पॉट हटाने का एक इफेक्टिव तरीका है। अमरूद के पत्तों में एक एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारते हैं. आपको बस इतना करना है कि अमरूद के कुछ पत्तों को पीस लें और इस पेस्ट को अपने मुंहासों और काले धब्बों पर लगाएं. ऐसा कुछ दिनों तक करें।

भाजपा ने कहा, सबूतों की कमी और तकनीकी कारणों से बरी हुए केजरीवाल, आप पर लगाया सबूत मिटाने का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली । शराब घोटाले में अरविंद केजरीवाल के बरी होने के बाद राजधानी में राजनीतिक आरोपों–प्रत्यारोपों का दौर शुरू हो गया है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल साक्ष्यों में कमी और तकनीकी कारणों से छूटे हैं, लेकिन ऊपरी अदालत में इस मामले में निर्णय पलट भी सकता है। भाजपा नेता ने कहा कि जांच एजेंसी लंबे समय से यह बात कहती आ रही थी कि केजरीवाल और सिसोदिया इस मामले के साक्ष्यों को नष्ट करने का काम कर रहे हैं, लेकिन उसके बार–बार कहने के बाद भी आम आदमी पार्टी नेताओं ने जांच एजेंसी को सबूत नहीं सौंपे। हालांकि, आम आदमी पार्टी ने कहा है कि कोर्ट से बरी होने से यह साफ हुआ है कि केजरीवाल भ्रष्ट नहीं हैं।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि कोर्ट के फैसले के बाद अपने को ईमानदार कह रहे केजरीवाल के पास आज भी कई सवालों के जवाब नहीं हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को बताना चाहिए कि यदि उनकी शराब नीति सही थी तो मामला सामने आते ही उसे वापस क्यों ले लिया गया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की शराब नीति में शराब के ठेकेदारों का कमीशन दो प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दिया गया था। केजरीवाल को बताना चाहिए कि ठेकेदारों के कमीशन में छः गुना की बढ़ोतरी क्यों की गई थी।सचदेवा ने इस बात पर भी सवाल उठाया कि अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित कई नेताओं ने शराब घोटाले की जांच के दौरान बार–बार अपने फोन क्यों बदले। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी के द्वारा बार–बार मांगने के बाद भी केजरीवाल और

उनके साथियों ने पुराने मोबाइल, सिम कार्ड और अन्य चीजें सीबीआई को उपलब्ध नहीं कराईं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को बताना चाहिए कि सीबीआई को वे सबूत क्यों नहीं सौंपे गए।

सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल के पास स्वयं को ईमानदार कहने का कोई अधिकार नहीं है। दिल्ली की जनता ने उनके आरोपों पर अपना निर्णय सुना दिया है। उन्होंने कहा कि अदालत के फैसले के बाद केजरीवाल एक बार फिर सहानुभूति का लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन अब उनकी यह कोशिश सफल नहीं होगी क्योंकि दिल्ली की जनता ने उनकी सच्चाई को देख लिया है। भाजपा नेता और सांसद मनोज तिवारी ने केजरीवाल के शराब घोटाले में बरी होने के बाद कहा कि जांच एजेंसी उच्च अदालत में अपील कर चुकी है और उच्च अदालत में फैसला पलट भी सकता है। तिवारी ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने कुछ अधिकारियों और शराब ठेकेदारों के साथ मिलकर बड़ा घोटाला किया है। उन्होंने कहा कि इस मामले के सामने आने के पहले दिन से यह स्पष्ट था कि केजरीवाल मुख्यमंत्री रहते हुए साक्ष्यों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस आशंका को देखते हुए ही सर्वोच्च अदालत ने केजरीवाल को किसी फाइल पर हस्ताक्षर करने से रोक दिया था। मनोज तिवारी ने कहा कि भाजपा भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त है और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि यह केवल कानूनी मुद्दा नहीं है, बल्कि जनता के विश्वास का सवाल है। दिल्ली के लोग पूरी सच्चाई जानने के हकदार हैं। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की जनता को यह बताना होगा कि यदि पूरा मामला सही था तो उन्होंने यह मामला खुलते ही इसे वापस क्यों ले लिया था।

अवैध कॉलोनी बनाने वालों पर होगा एक्शन, जल्द लागू होगा कानून विधानसभा में मंत्री विजयवर्गीय का एलान

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में अवैध कॉलोनियों पर जल्द ही सख्त कार्रवाई देखने को मिलेगी। विधानसभा में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने घोषणा की कि प्रदेश में तीन माह के भीतर अवैध कॉलोनियों पर रोक लगाने के लिए कड़ा कानून लागू किया जाएगा। साथ ही दोषियों पर तेज कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। मध्य प्रदेश की विधानसभा में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शुक्रवार को अवैध कॉलोनियों को लेकर बड़ी घोषणा की। सीधी विधायक रीति पाठक के प्रश्न काल में पूछे सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि अब अवैध कॉलोनियों पर कड़ा कानून लागू किया जाएगा। दोषियों के खिलाफ तेज कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में तीन महीने के भीतर सख्त नियम लागू होंगे।विजयवर्गीय ने सीधी जिले के सवाल पर कहा कि सरकार ने शहर के पुराने बस स्टैंड को गिराकर नया शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए लगभग 7 करोड़

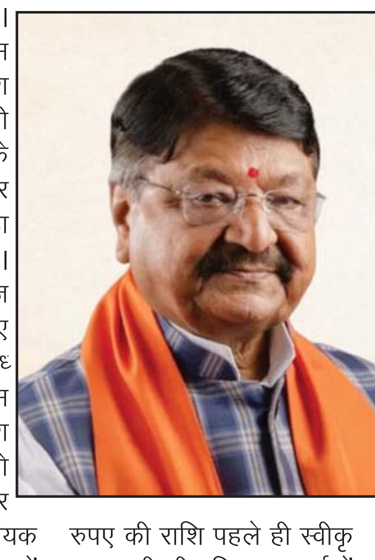

रुपए की राशि पहले ही स्वीकृत कर दी थी। विकास कार्य में देरी के कारण मंत्री ने बताया कि निविदा प्रक्रिया में समय लगने के कारण अभी तक कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है, लेकिन इसे जल्द ही शुरू करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं। मंत्री ने आश्वासन दिया कि शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण का काम अगले कुछ महीनों में प्रारंभ कर दिया जाएगा। सीधी नगरपालिका क्षेत्र में पिछले तीन वर्षों में बिना रेरा रजिस्ट्रेशन के कई अवैध कॉलोनियों का निर्माण हुआ है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीइसके अलावा, जिन अवैध कॉलोनियों को वैध किया जा सकता है, उन पर विचार किया जाएगा और जो वैध नहीं हो सकतीं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सीवर लाइन निर्माण परियोजना सीधी नगरपालिका क्षेत्र के लिए लंबे समय से मांग की जा रही सीवर लाइन निर्माण परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति जल्द ही जारी कर दी जाएगी। मंत्री ने बताया कि यह परियोजना शहरवासियों के लिए जीवन स्तर सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सीधी विधायक रीति पाठक ने मंत्री के इस एलान का स्वागत करते हुए कहा कि इससे न केवल शहर का विकास होगा, बल्कि अवैध कॉलोनियों की समस्या पर भी सख्त कदम उठाए जाने से नागरिकों को राहत मिलेगी।

मोटा अनाज किसानों की आय बढ़ाने के साथ आमजन के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है–विधायक

संवाददाता

उन्नाव। निराला प्रेक्षागृह उत्तर प्रदेश अन्न (मिलेट्स) पुनरोद्धार कार्यक्रम वर्ष 2025–26 के अंतर्गत एक दिवसीय अन्न मिलेट्स (ज्वार रागी बाजरा सवा कुटकी कोटो मडुवा रामदाना आदि फसलों) मेला सह प्रदर्शनी एवं मिलेट्स रेसिपी विकास एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक पंकज गुप्ता, तेजवंत सिंह, पीडी डीआरडीए, शशांक जिला कृषि अधिकारी तथा रवि चंद्र प्रकाश, उप निदेशक कृषि द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न स्टॉलों पर प्रदर्शित मिलेट्स उत्पादों की जानकारी प्राप्त की।

मुख्य अतिथि मा सदर विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि अन्न (मोटा अनाज) न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक है, बल्कि आमजन मानस के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने किसानों से अधिक से अधिक क्षेत्र में मिलेट्स की खेती अपनाने का आह्वान किया। उप निदेशक कृषि रवि चंद्र प्रकाश ने मिलेट्स उत्पादन, विपणन एवं शासन द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। तेजवंत सिंह, पीडी डीआरडीए ने ग्रामीण आजीविका एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा मिलेट्स

आधारित उत्पादों के निर्माण को प्रोत्साहित करने पर बल दिया।

कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न विकासखंडों से बड़ी संख्या में कृषकों ने प्रतिभाग किया। किसानों ने मिलेट्स उत्पादन की नवीन तकनीकों, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन संबंधी जानकारी प्राप्त की। साथ ही मिलेट्स रेसिपी प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी के माध्यम से उपभोक्ताओं को भी जागरूक किया गया। मेले में जनपद के फसल बीमा नमामि गंगे एवं मिलेट्स उत्पाद की रेसिपी बनाने वाले प्रतिष्ठान मे० अमन बेकर्स बांगरमऊ किरोज उन्नाव नाटी विलेज भोला गांधी नगर उन्नाव डोसा जंक्शन ने मिल्ट्स रेसिपी में भाग लिया सभी प्रतिभाग करने वाले विभाग एवं प्रतिष्ठानों को प्रोत्साहन सील दी गई कृषि विभाग द्वारा आयोजित यह मेला किसानों एवं आमजन मानस के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। एलडीएम आर0के0 गौतम द्वारा बताया गया कि किसान क्रेडिट कार्ड बनवाएं 4: ब्याज प्रतिवर्ष पड़ता है । किसान भाइयों से आग्रह किया कि अधिक से अधिक फसलों के बीमा कराए। पशु पालन विभाग के डॉक्टर ने भैंस पालन गाय पालन के लिए बीमारियों की जानकारी देते हुए उनके रोकथाम के उपाय के विषय में बताया विशेष रूप से किसान भाइयों से अनुरोध किया कि खुर पका मुंह पका गला घोटू आज बीमारियों के लिए निशुल्क टीकाकरण विभाग द्वारा किया जा रहा है आपका किसान भाई अपने पालतू जानवरों को निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाकर टीकाकरण अवश्य कराए। शशांक जिला कृषि अधिकारी उन्नाव द्वारा प्राकृतिक खेती पर जोर दिया गया क्योंकि आज कल किसान भाई रासायनिक खाद एवं दवा का प्रयोग अधिक मात्रा में कर रहे हैं। जिससे किसान मित्र केंचुआ आदि धीरे–धीरे समाप्त हो रहे हैं। साथ ही सलाह दी की धान गेहूं खेती से विधिक खेती न करके खेती में भिन्नता लाएं जिससे अधिक से अधिक लाभ हो सके। डॉ चंद्रपाल सफीपुर ने किसान भाइयों से अपील कि वह जीरो बजट व प्राकृतिक खेती पर जोर दे।

परियोजना निदेशक उन्नाव द्वारा रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम करके प्राकृतिक खेती पर जोर डालने हेतु आग्रह किया। साथी पूर्व के भाती श्री अन्य मिलेट्स का उत्पादन अधिक किया जाए। तथा उसका प्रयोग भी किया जाए। उप निदेशक कृषि रवि चंद्र प्रकाश ने मिलेट्स उत्पादन, विपणन एवं शासन द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। तेजवंत सिंह, पीडी डीआरडीए ने ग्रामीण आजीविका एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा मिलेट्स आधारित उत्पादों के निर्माण को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न विकासखंडों से बड़ी संख्या में कृषकों ने प्रतिभाग किया। किसानों ने मिलेट्स उत्पादन की नवीन तकनीकों, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन संबंधी जानकारी प्राप्त की। साथ ही मिलेट्स रेसिपी प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी के माध्यम से उपभोक्ताओं को भी जागरूक किया गया।

कृषि विभाग द्वारा आयोजित यह मेला किसानों एवं आमजन के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। उपस्थित अधिकारी एवं आगंतुक किसानों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

बेटी के ससुराल वालों की पिटाई से बुजुर्ग ने इलाज के दौरान दमतोड़ा

संवाददाता

लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में बेटी के ससुराल वालों की पिटाई से घायल एक बुजुर्ग की गुरुवार रात ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान 61 साल के राम नरेश के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की आगे की जांच कर रही है। सरोजनी नगर के गौरी निवासी पूजा रावत ने बताया– करीब दो साल पहले उनकी शादी बंथरा थाना क्षेत्र के चक गांव निवासी संदीप कुमार से हुई थी। पूजा का आरोप है कि शादी के बाद से ही उनके पति और ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर उन्हें लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। पूजा के अनुसार, 13 फरवरी को उन्होंने ऑपरेशन के जरिए एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद ससुराल वालों ने उनसे बच्चा छीन लिया और उसे दूध तक नहीं पिलाने दिया। पीड़िता ने इसकी सूचना अपने मायके वालों को दी। सूचना मिलने पर 22 फरवरी को पूजा के पिता राम नरेश अपनी छोटी बेटी के साथ पूजा को मायके लाने के लिए उसकी ससुराल पहुंचे। आरोप है कि वहां पूजा के ससुराल वालों ने राम नरेश और उनकी छोटी बेटी के साथ गाली–गलौज करते हुए मारपीट की। आरोपियों ने कथित तौर पर राम नरेश के सिर पर फावड़े से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल राम नरेश को पहले लोक बंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। गुरुवार रात ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान राम नरेश की मौत हो गई। मारपीट की घटना के दौरान पूजा के ससुराल वालों ने उन्हें नवजात बच्चा नहीं दिया था, जिसके कारण वह अकेले ही अपने मायके चली आई थीं। इस घटना के संबंध में पूजा ने 22 फरवरी को बंथरा थाने में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पूजा की ससुराल पहुंचकर नवजात शिशु को ससुराल वालों से लेकर पूजा को सौंप दिया था। अब पुलिस राम नरेश की मौत के मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। वहीं बंथरा प्रभारी निरीक्षक राणा राजेश सिंह का कहना है कि इस मामले में आरोपी संदीप को गिरफ्तार कर लिया गया है और पहले से दर्ज रिपोर्ट में गैर इरादतन हत्या की धारा बढ़ा कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मार्च को, अधिक वादों का निस्तारण सुनिश्चित कराने हेतु हुई बैठक

संवाददाता

उन्नाव। जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा राष्ट्रीय लोक

अदालत 14.03.2026 को सफल बनाने हेतु विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आहूत की गई। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उन्नाव के निर्देशों के अनुपालन में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 14.03.2026 के आयोजन में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण सुनिश्चित कराने हेतु आज रत्नेश दीप कमल आनंद सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उन्नाव द्वारा केन्द्रीय सभागार जनपद न्यायालय उन्नाव में एक बैठक आहूत की गयी। जिसकी अध्यक्षता माननीय जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष अनिल कुमार वर्मा– द्वारा की गयी। जिसमें राम राज, अपर जिला जजध्नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत, श्रीमती भव्या तिवारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के साथ समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेट अधिकारीगण उपस्थित रहेंद्य उक्त बैठक में इसके अतिरिक्त अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त तहसीलदार, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, बिजली विभाग के पदाधिकारी, एल.डी.एम एवं समस्त बैंकों के पदाधिकारीगण,फाइनेंस कम्पनी के अधिवक्तागण व बी.एस.एन.एल के पदाधिकारी एवं प्रभारी सम्मन सेल उपस्थित रहें। जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष द्वारा बैठक में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक–14.03.2026 को सफल बनाये जाने के बारे में उपस्थित पदाधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया गया तथा राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन का मुख्य उद्देश्य विवादों को सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारण कराये जाने के लिये वैकल्पिक मंच प्रदान करना है। राष्ट्रीय लोक अदालत में उत्तराधिकार से सम्बन्धित सिविल वाद, राजस्व सम्बन्धी वाद, श्रम सम्बन्धी वाद, भूमि अधिग्रहण सम्बन्धी मामले, आपदा राहत वाद, आयकर वाद, यातायात चालानी वाद, बैंक ऋण वसूली से सम्बंधित वाद, प्री–लिटिगेशन वाद, बैंक रिकवरी, एन0आई0एक्ट, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, पारिवारिक एवं वैवाहिक मामले, नगर निगमध् नगर पालिका अधिनियम, उपभोक्ता फोरम वाद से सम्बन्धि मामले, विद्युत एवं जल कर से सम्बन्धित मामले तथा सभी प्रकार के शमनीय प्रकृति के आपराधिक मामलों का निस्तारण अन्तिम रूप से कराया जा सकता है जिसके विरूद्ध कोई अपील योजित नही होती है तथा राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से वादों का शीघ्र निस्तारण हो जाता है। जिससे आम जनमानस को सस्ता व सुलभ न्याय प्राप्त होता है। और यही राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन का मुख्य उद्देश्य हैं। बैठक में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों को आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण कराकर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु अपना योगदान प्रदान करने हेतु कहा गया तथा प्रभारी सम्मन सेल को अधिक से अधिक नोटिसों की कम से कम दो बार तमिला किये जाने को निर्देशित किया गया एवं राष्ट्रीय लोक अदालत 14.03.2026 के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु निर्देशित किया गया।

परीक्षा देकर लौट रहे छात्र की सड़क हादसे में मौत

श्रावस्ती। इकौना में शुक्रवार शाम करीब साढ़े पांच बजे विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने बाइक सवार यूपी बोर्ड परीक्षार्थी को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने एंबुलेंस की मदद से उसे सीएचसी इकौना पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। यह हादसा इकौना–बहराइच–बलरामपुर नेशनल हाईवे बाईपास पर स्थित जनता धर्म कांटा के निकट हुआ। जानकारी के अनुसार, नवीन मॉडर्न थाना क्षेत्र के ग्राम झंझार निवासी 19 वर्षीय नौमान खान पुत्र रफीक खान, लेखपाल चौधरी राम बिहारी इंटर कॉलेज का इंटरमीडिएट छात्र था। उसका परीक्षा केंद्र जेपी आदर्श इंटर कॉलेज, कैलाशपुर में पड़ा था।

कानूनी प्रक्रिया अभी खत्म नहीं हुई, केजरीवाल पर भाजपा का निशाना ईमानदारी पर भी उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के कथित शराब घोटाले मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बड़ी राहत मिली है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद आप में खुशी की लहर है। इसी के साथ आप नेता भाजपा पर हमलावर हैं और सत्तारूढ़ दल पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का

आरोप लगा रही है। वहीं अब शराब नीति मामले में बरी किए जाने के बाद भाजपा नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि इस मामले को अभी और न्यायिक जांच का सामना करना पड़ सकता है। भाजपा सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, श्अदालत ने सबूतों के अभाव में उन्हें बरी कर दिया है। यह एक तकनीकी मुद्दा है। सीबीआई इस मामले में आगे की कार्रवाई करेगी। पार्टी फैसले का विस्तार से अध्ययन करने के बाद एक सुनियोजित जवाब देगी। हमें यह सोचना चाहिए कि अगर आरोप निराधार थे, तो फिर आरोप कैसे लगाए गए? वहीं भाजपा नेता और पार्टी के आईटी सेल के राष्ट्रीय प्रभारी अमित मालवीय ने एक्स पोस्ट में कहा,श्दिल्ली उत्पाद शुल्क मामले में फैसला निचली अदालत ने सुनाया है। अतीत में दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने भी संबंधित मामलों में कड़े और निंदनीय बयान दिए हैं। यह देखना बाकी है कि उच्च न्यायालयों में यह फैसला कितना खरा उतरता है। कानूनी प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। मालवीय ने आगे कहा, अगर अरविंद केजरीवाल इतने ईमानदार थे, तो अनियमितताएं सामने आने के बाद दिल्ली सरकार ने नीति को वापस क्यों लिया और उसमें बदलाव क्यों किया? कई फोन और सिम कार्ड क्यों नष्ट किए गए? कमीशन 6 फीसदी से बढ़ाकर 12: करते हुए विक्रेताओं की संख्या में इतनी भारी कमी क्यों की गई? ये फैसले गंभीर और जायज सवाल खड़े करते हैं। रिश्वतखोरी कोई मनगढ़ंत कहानी नहीं हैय ये मुद्दे अदालतों और जनता के सामने हैं। भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने केजरीवाल को बरी किए जाने पर कहा कि सभी जानते हैं कि ये दोनों (अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया) इस घोटाले के जनक थे। दिल्ली की जनता अच्छे से जानती है कि एक्साइज घोटाले के जनक अरविंद केजरीवाल थे। जिन लोगों को पकड़ा गया है, उनकी भी गवाही होगी। सभी जानते हैं कि ये लोग इस घोटाले के मास्टर माइंड थे। राजद नेता तेजस्वी यादव ने शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल के बरी होने पर कहा, श्लगातार विपक्षी दलों पर राजनीतिक प्रतिरोध के हिसाब से जबरन गलत मुकदमे किए जाते हैं, संस्थाओं का केंद्र सरकार दुरुपयोग कर रही है। जो तथाकथित शराब घोटाला था उसमें कोर्ट ने सभी आरोपिरयों को बरी किया है। भाजपा का चाल, चरित्र सामने आ गया। हम चाहेंगे कि दिल्ली में दोबारा चुनाव कराए जाएं ताकि जनता सही मुद्दों पर चुनाव कर पाए। सिर्फ अरविंद केजरीवाल ही नहीं, चाहे राहुल गांधी हों, लालू यादव हों या हमारा पूरा परिवार शुरू से ही भाजापा के राजनीतिक प्रतिरोधा का शिकार होता रहा है। चाहे प्त्ब्ज्ब का घोटाला हो या जमीन के बदले नौकरी देने का घोटाला हो, आज तक रेलवे ने माना ही नहीं कि कोई घोटाला हुआ है और इसकी पहले ही सीबीआई तीन बार जांच कर चुका है। हमें हर जगह से क्लीन चीट मिली लेकिन यह चौथी बार मुकदमा कराया गया। हमें न्यायालय पर विश्वास है कि हमारे साथ भी न्याय होगा।

पंचायत ग्राउन्ड जीरो से
(हिंदी दैनिक)
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार सिंह द्वारा ज्योति इंटरप्राइजेस 11 ई छेदी सिंह का पुरवा, बर्रा–2 कानपुर–208027 से मुद्रित एवं 992 एसबीआई कालोनी रतन लाल नगर कानपुर–208022 से प्रकाशित।
संपादक
संजय कुमार सिंह
मो0–9415051730
नोट–समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर न्यायालय होगा।